P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 04 मई 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 160

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

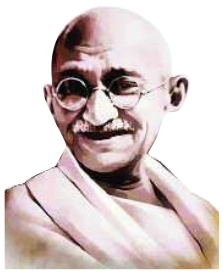

राष्ट्रपिता को नमन...

दीदी की दहाड़ थमी भाजपा की भगवा गर्जना

तमिलनाडु में खेला, असम में फिर हिमंता

केरल में कांग्रेस और पुडुचेरी में एनडीए

■ भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी और सुवेंदु अधिकारी के बीच कड़ी टक्कर

■ आरजी कर रेप विक्टिम की मां रत्ना देबनाथ को बढ़त है।

■ मोदी ने जहां झालमुड़ी खाई उसे इलाके में भाजपा चारों सीटों पर आगे

■ पश्चिम बर्धमान की हॉट सीट आसनसोल नॉर्थ में कानून मंत्री मलय घटक पीछे चल रहे हैं

■ उध्सार पुरुलिया की 9 में से 8 पद बीजेपी को बढ़त हासिल है।

■ पश्चिम बंगाल में काउटिंग के बीच कोलकाता में टीएमसी ऑफिस के बाहर सन्नाटा पसरा है

■ भाजपा ऑफिस पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, सांसद संजय जायसवाल सहित कई नेता पहुंचे हैं

■ दिल्ली स्थित बीजेपी हेडक्वार्टर में काउंटिंग शुरू होते ही जश्न की तैयारियां दिखने लगीं

■ यहां कार्यकर्ताओं ने जलेबी बनानी शुरू कर दी

■ रुझान के बाद बीजेपी कार्यकर्ताओ ने लगाए जय श्रीराम के नारे

■ मुर्शिदाबाद की सभी सीटों पर कांग्रेस और टीएमसी बराबर

■ तमिलनाडु में राहुल-स्टालिन को झटका, थलपति विजय की पार्टी 100 के पार...

■ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री अपनी सीट पर पीछे चल रहे हैं

■ असम में बीजेपी 95 सीटों पर आगे चल रही है

■ असम में कांग्रेस 29 सीटों पर आगे चल रही है

■ पुडुचेरी की 30 सीटों में से 22 सीटों पर भाजपा आगे चल रही है

■ केरलम कांग्रेस गठबंधन ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है

■ केरलम के मुख्यमंत्री अपनी सीट पर पिछड़े

तमिलानडु में दो साल पहले बनी एक्टर विजय की पार्टी टीवीके ने सभी एग्जिट पोल किया फेल

नई दिल्ली (एजेंसी) • देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों की मतगणना जारी है। रुझानों में बंगाल में कड़ा मुकाबला नजर आ रहा है। वहीं केरल में शुरुआती टक्कर के बाद यूडीएफ गठबंधन बढ़त बनाता दिख रहा है। असम में भाजपा जीत की हैट्रिक लगाने की ओर मजबूती से बढ़ रही है। पश्चिम बंगाल में इस बार अब तक का सबसे आक्रामक चुनाव हुआ। चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ने आपनी पूरी दम झोंकी। शुरुआती रुझानों में सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की सत्ता बरकरार रहना तय लग रहा है।

चुनावी मुद्दे और नए परिसीमन का गहरा प्रभाव-इस बार असम चुनाव में 85.96% का भारी मतदान दर्ज किया गया है, जो जनता के बीच चुनावी मुद्दों की गंभीरता को दर्शाता है। चुनाव में मुख्य रूप से बांग्लादेशी घुसपैठ, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी), नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), बेरोजगारी, ब्रह्मपुत्र की बाढ़ और विकास जैसे मुद्दे हावी रहे हैं। इसके अतिरिक्त, 2023 में हुए नए परिसीमन ने भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित किया है। यदि एनडीए इन रुझानों को अंतिम परिणामों में तब्दील कर लेता है,

तमिलनाडु (सीटें:234 / बहुमत:118)	टीवीके	द्रमुक+	अन्नाद्रमुक+	अन्य
	106	50	74	00

प. बंगाल (सीटें:294 / बहुमत:148)	टीएमसी+	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
	115	157	00	05

असम (सीटें:126 / बहुमत:64)		केरल (सीटें:140 / बहुमत:71)		पुदुचेरी (सीटें:30 / बहुमत:16)	
भाजपा+	96	एलडीएफ	48	भाजपा+	22
कांग्रेस+	28	यूडीएफ	88	कांग्रेस+	06
एआईयूडीएफ	00	भाजपा+	03	टीवीके+	00
अन्य	00	अन्य	01	अन्य	01

आंकड़े सुबह 10.30 बजे तक ...

तो यह न केवल हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व को स्थापित करेगा, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर भारत की राजनीति पर इसका गहरा असर पड़ेगा और भाजपा का दबदबा और अधिक मजबूत होगा। बदरुद्दीन अजमल की पार्टी का सूपड़ा साफ होते दिख रहा है।

विजय थलापति की राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) तमिलनाडु चुनावों में शुरुआत से ही चर्चा में थी। अभी उनकी पार्टी 104 सीटों पर आगे चल रही है। तमिलनाडु में 234 विधानसभा सीटों पर मतगणना हो रही है। विजय पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली (पूर्व) से चुनावी मैदान में खड़े हैं। दोनों ही जगह से वह बढ़त बनाए हुए हैं। वह ष्टरूस्टालिन की ष्ठस्य्ध का खेल बिगाड़ते हुए नजर आ रहे हैं। चेपौकम सीट पर उदयनिधि स्टालिन भी पिछड़ते नजर आ रहे हैं। यह वही उदयनिधि स्टालिन हैं, जिनके सनातन धर्म पर दिए गए बयान को लेकर पहले काफी विवाद हुआ था। अब चुनावी मैदान में उन्हें कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है और टीवीके उम्मीदवार यहां बढ़त बनाए हुए हैं।

केरल विधानसभा चुनाव की बात करें तो कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ गठबंधन 53 सीटों पर आगे है। जबकि एलडीएफ 31 सीटों पर आगे है। पुडुचेरी में भी बीजेपी की अगुवाई वाला एनडीए आगे दिख रहा है। केरलम में 4 सीटों पर बीजेपी गठबंधन भी आगे चल रहा है।

दिग्गजों की खींचतान में अटक रहा है आईडीए अध्यक्ष का फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इदौर • इदौर आईडीए अध्यक्ष को लेकर चल रही खींचतान में दिग्गज आमने-सामने हो गए हैं। मुख्यमंत्री और मंत्री के समर्थकों के बीच मामला उलझा हुआ है। देखना ये है कि ऊंट किस करवट बैठता है। भाजपा का कार्यकाल अभी तीन साल का और बच्चा हुआ है। आईडीए अध्यक्ष को लेकर माना जा रहा था कि जल्द ही इसकी घोषणा हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

जयपालसिंह चावड़ा को हटाने के बाद ये कहानी बताई जा रही थी कि नए नाम पर सहमति हो सकती है। इसके लिए चर्चाएं भी होने लगी थी और पूर्व विधायक जीतू जिराती के साथ हरिनारायण यादव के बीच मुकाबला माना जा रहा था। दोनों में से किसी एक को अध्यक्ष बनाने की बातें ले रही थी, लेकिन एनवक्त पर पासा पलट गया। और भी नाम इसमें जुड़ते चले गए। जिस तरीके से नए नाम चर्चा में आए हैं, उससे तो यही माना जा रहा था कि युवा को इसकी कमान सौंपी जा सकती है। इसके लिए टीनू जैन, कमलेश शर्मा और मोहित वर्मा का नाम भी सुर्खियों में आया था। आईडीए अध्यक्ष के लिए जो चर्चाएं चल रही थी, उसके पीछे दिग्गज नेताओं की लड़ाई बताई जा रही है। बताते हैं कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय यही चाहते हैं कि उनके समर्थक की नियुक्ति हो जाए, इसलिए उनके कोटे में तीन नाम बताए जा रहे हैं जिसमें हरिनारायण यादव, जीतू जीराती और टीनू जैन शामिल है। इन नामों को लेकर विचार-विमर्श चल रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री मोहन यादव की पसंद कोई और बताया जा रहा है। वो किसी दूसरे गुट से जुड़े नेता को आईडीए अध्यक्ष बनाना चाहते हैं। वजह ये है कि नगर अध्यक्षा मंत्री खेमे का बन चुका है और अब उसी खेमे से आईडीए अध्यक्ष की नियुक्ति आसान नहीं दिख रही है। इसके लिए कुछ नामों पर विचार चाल रहा है। मंत्रियों के रवैये को लेकर दिल्ली में भी शिकायत हुई है, इसलिए पादव की बात को हरी झंडी दी जा सकती है। जल्द ही इस नाम के लिए घोषया भी की जा सकती है। दिग्गजों की आपसी लड़ाई के कारण ही आईडीए अध्यक्ष का फैसला अटका हुआ दिख रहा है।

टैलेंट हंट प्रोग्राम में पिछड़ा कांग्रेस

■ टैलेंट हंट प्रोग्राम के लिए पांच हजार से ज्यादा लोगों ने किए थे ऑनलाइन आवेदन

■ टैलेंट हंट के पहले चरण में मार्च में भोपाल समेत पांच संभागों के प्रतिभागियों के हो चुके हैं इंटरव्यू

■ दूसरे चरण में इंदौर, रीवा एवं जबलपुर संभाग मुख्यालय पर आयोजित होना है इंटरव्यू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मप्र कांग्रेस के टैलेंट हंट प्रोग्राम का पहला चरण पूरा हुए एक महीना बीत चुका है। टैलेंट हंट के पहले चरण में भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर और नर्मदपुरम संभाग के प्रतिभागियों के प्रवक्ता, रिसर्च को-ऑर्डिनेटर और मीडिया को-ऑर्डिनेटर पद के लिए इंटरव्यू हो चुके हैं, लेकिन अब की है। टैलेंट हंट के प्रतिभागी बेसब्री से दूसरे चरण के आयोजन कर इंतजार कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि अखिल भारतीय कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के कानूनी उलझनों में फंसे होने के कारण टैलेंट हंट प्रोगाम का दूसरा चरण अटक गया है। कांग्रेस मीडिया एवं प्रचार विभाग ही टैलेंट हंट का आयोजन कर रहा है।

पुराने प्रवक्ताओं से काम चला रही पार्टी

कांग्रेस ने नए प्रवक्ताओं के चयन को देखते हुए अपने मौजूदा प्रदेश प्रवक्ताओं को पदमुक्त कर दिया है। अब वे पूर्व प्रदेश प्रवक्ता हो गए है। मजेदार बात यह है कि नए प्रवक्ताओं का चयन अटक गया है, इसलिए पूर्व प्रदेश प्रवक्त्ता ही विभिन्न फोरम पर पार्टी की बात रख रहे हैं। पार्टी ने नए प्रवक्ताओं के वयन के लिए अभी पुराने प्रवक्ताओं का इंटरव्यू नहीं लिया है। ऐसे में पूर्व प्रवक्ताओं का फिर से प्रवक्ता के पद पर चयन होगा या नहीं, इस पर असमंजस बरकरार है। और यदि उन्हें फिर से प्रवक्ता बनाया जाता है, तो चयन प्रक्रिया क्या होगी, यह भी स्पष्ट नहीं है।

दरअसल, कांवेस का मीडिया एवं प्रचार विभाग मप्र में -आगामी विधानसभा चुनाव से पहले प्रवक्ता, रिसर्च को ऑर्डिनेटर और मीडिया को-ऑर्डिनेटर के चयन के लिए टैलेंट हंट प्रोग्राम आयोजित कर रहा है। इसके लिए कांग्रेस विचारधारा से जुड़े लोगों से ऑनलाइन आवेदन बुलाए गए हैं। मप्र में टैलेंट हंट प्रोग्राम में 5 हजार से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया है। टैलेंट हंट प्रोग्राम के पहले चरण में गत 24 से 26 मार्च तक भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर और नर्मदपुरम संभाग के प्रतिभागियों के इंटरव्यू हो चुके हैं। दूसरे चरण में इंदौर, रीवा एवं जबलपुर संभाग मुख्यालय पर आयोजित होने वाले इंटरव्यू की तारीखे अब तक घोषित नहीं हुई हैं। दोनों चरणों के इंटरव्यू के बाद चयनित प्रतिभागियों की सूची जारी की जाएगी।

गर्मी के तेवर ठंडे पड़े आज सुबह से छाए बादल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर में तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों में दिन का पारा 1 डिग्री गिरा है और गर्मी कम जरूर हुई है लेकिन उमस बनी हुई है। अभी एक हफ्ते तक गर्मी से राहत जरूर रहेगी, लेकिन बीच-बीच में उमस का दौर चलेगा। सोमवार आज सुबह से बादल छाए हुए हैं। रविवार को दोपहर 1 बजे बाद उमस का दौर शुरू हो गया, जिससे बेचैनी महसूस हुई। इस दौरान पारा 1 डिग्री गिरकर 39.7 (-1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 1 डिग्री कम है। रात का तापमान तीन दिनों से 25 डिग्री से ज्यादा बना हुआ है और गर्मी है। रविवार रात का तापमान 25.5 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा है।

निगम मंडल के पद : 'गैरों' पर करम, 'अपनों' पर सितम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मप्र में निगम-मंडलों और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। सरकार निगमों, बोर्डों और विकास प्राधिकरणों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों की धड़ाधड़ नियुक्ति की जा रही है। कहा जा रहा है कि सत्ता और संगठन के तालमेल से नियुक्तियां की जा रही है। लेकिन अभी तक की सूचियों का आकलन किया जाए तो यह तथ्य सामने आया है की मूल भाजपाई अभी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं, जबकि 'गैरों' (दागी, बागी और कांग्रेस पृष्ठभूमि के नेता) पर जमकर मेहरबानी हुई है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि सत्ता और संगठन आगामी चुनावों को देखकर राजनीतिक नियुक्तियां कर रहे हैं। ऐसे में जातीय, क्षेत्रिय

और चुनावी समीकरण के आधार पर नियुक्तियां की जा रही हैं। इसमें भाजपा नेताओं के साथ ऐसे नेताओं को उपकृत किया जा रहा है जो दागी, बागी और कांग्रेस पृष्ठभूमि के हैं। जानकारों का कहना है कि असल में भाजपा में कांग्रेस से जो सैलाब आया, उसके बाद पद को लेकर जो होड़ दौड़ मची है, उसे संभालना जरुरी है।

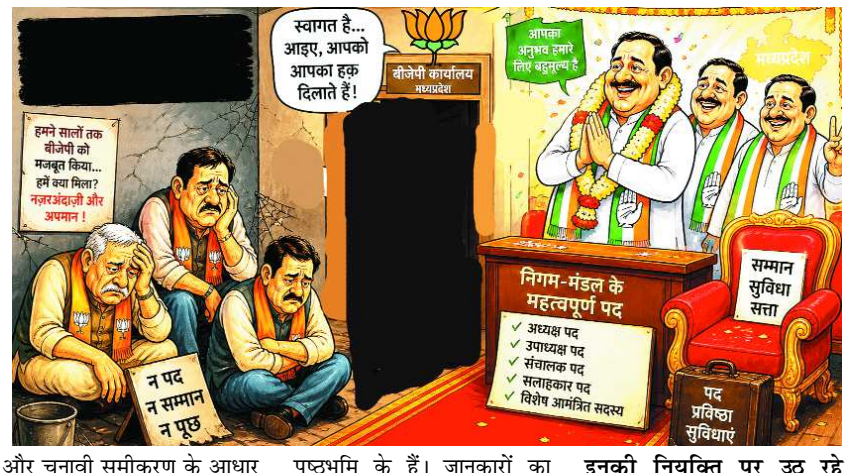

इनकी नियुक्ति पर उठ रहे सवाल-कांग्रेस से भाजपा में आए भितरवार के केशव सिंह बघेल को राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा से छह वर्ष के लिए निष्कासित महेश केवट को राज्य मछुआ कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। मूलत: निवाड़ी जिले के ओरछा निवासी केवट को नगरीय निकाय चुनाव के समय भाजपा ने 27 जून 2022 को छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित किया था। उनका निष्कासन अभी खत्म नहीं हुआ है, फिर भी उन्हें महत्वपूर्ण पद दे दिया गया है। कांग्रेस से भाजपा में आए रामलाल मालवीय को अनुसूचित जाति (एससी) आयोग में सदस्य बनाया गया है। अप्रैल 2024 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने कांग्रेस छोडकर भाजपा का दामन थाम लिया था। सिंधिया खेमे के अशोक शर्मा और सुधीर गुप्ता भी उपकृत- कांग्रेस से भाजपा में आए अशोक शर्मा को विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) ग्वालियर का अध्यक्ष बनाया गया है। वह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया खेमे से हैं। 2020 में हुए उपचुनावों के पहले कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री पद से इस्तीफा देकर सिंधिया के साथ उन्होंने भाजपा का दामन थामा था। ग्वालियर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष बनाए गए सुधीर गुप्ता भी सिंधिया खेमे से आते हैं, जो उनके साथ ही भाजपा में आए थे। कांग्रेस से आए, मंत्री रहते उपचुनाव हारे रावत को वन विकास निगम की कमान कांग्रेस छोडकर भाजपा में आए प्रदेश के पूर्व वन मंत्री रामनिवास रावत विधानसभा का उपचुनाव हार गए थे। उन्हें मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम का अध्यक्ष बनाया है।

न्यूज ब्रीफ

लोक अदालत में दस लाख तक के विद्युत प्रकरणों पर देंगे छूट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र शासन ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 9 मई शनिवार को नेशनल लोक अदालत की प्रभावी तैयारी की जा रही है। लोक अदालत को प्रभावी बनाने के लिए कंपनी क्षेत्र के जिलों में हजारों नोटिस जारी कर समझौते के लिए उपभोक्ता, उपयोगकर्ता को तैयार कर ऊर्जा विभाग के आदेशानुसार छूट प्रदान की जाएगी। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी एसआर बमनके ने बताया कि प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कंपनी क्षेत्र के सभी 15 जिलों में तैयारी अंतिम चरण में है। इस लोक अदालत में 10 लाख रूपए तक के सिविल दायित्व के प्रकरणों में समझौता हो सकेगा।

नर सेवा ही नारायण सेवा: इंदौर में मानवता की एक अनूठी मिसाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समाज के अंतिम व्यक्ति तक सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं किफायती दामों पर उपलब्ध कर आने हेतु इंदौर के पारमार्थिक क्लॉथ मार्केट अस्पताल में समाज के वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की एक नई किरण जगी है। अक्सर उचित उपचार के अभाव में दम तोड़ देने वाले लोगों की पीड़ा को समझते हुए, समाजसेवी रजनीश चौरड़िया ने अस्पताल को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित करने का पावन संकल्प लिया। उनके इस पुनीत विचार को मूर्त रूप देने के लिए समाज के विभिन्न दानदाताओं ने अपना उदार सहयोग प्रदान किया।

डेली कॉलेज चुनाव फॉर्म रिजेक्ट होने पर सुनवाई आज

चुनाव अधिकारी ने यह बताईं गलतियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डेली कॉलेज चुनाव में रिजेक्ट हुए नामांकन पर आज सुनवाई होगी। चुनाव अधिकारी दोपहर में आपत्तियां सुनेंगे। फाउंडर कैटेगरी में दो फार्म खारिज हुए थे। फैसला आने के बाद ही अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। इंदौर डेली कॉलेज चुनाव में दावेदारों की उम्मीदवारी पर अंतिम फैसला रविवार 3 मई को दोपहर में हो रहा है। इसके लिए डेली कॉलेज के दरबार हाल में मुख्य चुनाव अधिकारी सुनवाई करेंगे। इसके बाद शाम तक अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। इसके पहले फाउंडर मेंबर कैटेगरी में बिड़वाल और डोटरिया का फॉर्म निरस्त हो गया था।

डेली कॉलेज में टू बी वन (फाउंडर/ओल्ड डोनर कैटेगरी) व टू बी टू (न्यू डोनर) कैटेगरी में चुनाव हो रहे हैं। इसमें फाउंडर मेंबर में दो पद हैं और न्यू डोनर कैटेगरी में एक पद के लिए निर्वाचन होना है। फाउंडर मेंबर कैटेगरी में कुल चार नामांकन थे, जिसमें चुनाव अधिकारी ने स्क्रूटनी के दौरान कई कमियां पाई और

इसके बाद ठाकुर नरेंद्र सिंह बिडवाल और ठाकुर अनिरुद्ध प्रताप सिंह डोटरिया का नामांकन रद्द कर दिया।

इस पर अब 3 मई को दोपहर में उनकी आपत्तियां सुनी जाएंगी। यदि वह वाजिब पाई गईं, तो फॉर्म मंजूर होगा, नहीं तो खारिज कर दिया जाएगा। ऐसा होने पर अन्य दो बचे नामांकन फॉर्म विक्रम सिंह पंवार और प्रियवत खिलचीपुर निर्विरोध निर्वाचित हो जाएंगे। वहीं न्यू डोनर कैटेगरी में एक पद के लिए कुल 6 दावेदार हैं। इसमें किसी का फॉर्म रिजेक्ट नहीं हुआ।

नामांकन फॉर्म के लिए यह थी गाइडलाइन

चुनाव अधिकारी, जो कि हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस सुशील गुप्ता हैं, उन्होंने चुनाव संबंधी गाइडलाइन जारी की है। इसमें नामांकन से जुड़े तीन खास नियम बताए गए हैं। इसके मुताबिक, नामांकन फॉर्म केवल उम्मीदवार खुद या फिर उनके अधिकृत एजेंट द्वारा, जो कि एक असली पत्र के साथ हो, लिया जा सकता था। ये फॉर्म पूरी तरह से गैर-हस्तांतरणीय थे, यानी इन्हें किसी और को ट्रांसफर नहीं किया जा सकता था। फॉर्म को उसी व्यक्ति को भरकर जमा करना था, जिसके नाम पर वो जारी किए गए थे। उम्मीदवारों को भरा हुआ फॉर्म सोसायटी के सचिव के पास जाकर, आयु प्रमाण की कॉपी के साथ खुद ही पेश करना था।

ठाकुर अनिरुद्ध के फॉर्म में यह खामियां

- चुनाव अधिकारी के आदेश में कहा गया कि उनके नामांकन पत्र इन तीनों निर्देशों के अनुसार नहीं थे।
- ठाकुर अनिरुद्ध के नामांकन पत्र स्वयं उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत नहीं किए गए, बल्कि जय झाबुआ द्वारा जमा किए गए।
- उनके नामांकन पत्र ऐसे फॉर्म पर प्रस्तुत किए गए थे, जो महाराजा नरेंद्र सिंह झाबुआ के लिए जारी किए गए थे, जबकि नियमों के अनुसार नामांकन पत्र किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से ट्रांसफर नहीं किए जा सकते हैं।
- अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से फॉर्म लेने की स्थिति में मूल अथॉरिटी लेटर प्रस्तुत करना अनिवार्य था, यह भी नहीं पाया गया।
- ठाकुर नरेंद्र सिंह बिडवाल नामांकन पत्र

ठाकुर बिडवाल के फॉर्म में यह बताई गई खामियां

- ठाकुर नरेंद्र सिंह बिडवाल के नामांकन पत्रों में भी चुनाव अधिकारी ने कई विसंगतियां पाई है।
- जांच में पाया कि नामांकन पत्र निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत नहीं किए गए और ना अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत हुए। जिन्होंने जमा किए, उनके पास अथॉरिटी लेटर नहीं था।
- पेश किए गए आधार कार्ड में नाम केवल नरेंद्र सिंह अंकित था, जबकि नामांकन पत्र में नरेंद्र सिंह बिडवाल लिखा गया था। इस अंतर के कारण तय नहीं हुआ कि एक ही व्यक्ति को दर्शाते हैं या नहीं।
- वहीं जो डॉक्यूमेंट्स मिले उनमें हस्ताक्षर उपलब्ध नहीं थे, जिससे चुनाव अधिकारी हस्ताक्षर का वेरिफिकेशन नहीं कर सके। इन सभी कारणों को गंभीर प्रक्रिया संबंधी त्रुटि मानते हुए उनके नामांकन पत्र निरस्त कर दिए गए।

स्नातक परीक्षा में नया पैटर्न छात्रों के लिए परेशानी, विवि की नजर में यह सुधार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विश्वविद्यालय की नई परीक्षा प्रणाली से छात्रों के सामने नई चुनौती आ गई है। इस बार प्रथम वर्ष के स्नातक परीक्षाओं को लेकर लागू किया गया नया पैटर्न छात्रों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनता नजर आ रहा है। 12 से 30 मई तक होने वाली परीक्षाओं को लेकर जहां विश्वविद्यालय प्रशासन इसे सुधार की दिशा में कदम बता रहा है, वहीं बाड़ी संख्या में छात्र इसे अव्यवस्थित और जल्दबाजी में लिया गया निर्णय मान रहे हैं। करीब 40 हजार छात्र 100 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा में शामिल होंगे, लेकिन इस बार सबसे बड़ा विवाद परीक्षा पैटर्न में अचानक किए गए बदलाव को लेकर है।

100 अंकों के लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न: पिछले वर्षों तक हिंदी और अंग्रेजी के फाउंडेशन पेपर ओएमआर शीट पर 50 ऑब्जेक्टिव प्रश्नों के रूप में होते थे जिससे छात्रों की तैयारी और समय प्रबंधन में सहुलियत रहती

12 से 30 मई तक होना है देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की परीक्षाएं, 40 हजार छात्र 100 से अधिक केंद्रों पर देंगे परीक्षा

देना रहेंगे 10 अनिवार्य पेपर

इस बार अकादमिक दबाव भी छात्रों पर रहेगा। छात्र को 10 अनिवार्य पेपर देने होंगे। मल्टीडिसिप्लिनरी और बैल्यू एडेड विषयों को जोड़ने से कुल विषयों की संख्या भी बढ़ गई है। बड़ी संख्या में विषयों की तैयारी करना छात्रों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। कई छात्रों का कहना हैं कि उन्हें हर विषय के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है, जिससे वे लगातार तनाव में हैं। वहीं छात्र संगठनों ने इस बदलाव पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बिना पर्याप्त ट्रांजिशन अवधि दिए इस तरह का बड़ा बदलाव लागू करना छात्रों के हित में नहीं हैं।

थी। इस बार इन पेपरों को पूरी तरह डिस्क्रिप्टिव बना दिया है, जिनमें 100 अंकों के लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न शामिल किए गए हैं। वहीं परीक्षा की अवधि में कटौती की गई है। जहां पहले छात्रों को प्रश्न हल करने के लिए अपेक्षाकृत अधिक समय मिलता था, वहीं अब

कॉपी की जांच में लगता है अधिक समय

एक्सपर्ट के अनुसार डिस्क्रिप्टिव प्रणाली में कॉपियों की जांच में अधिक समय लगता है और इसमें मानवीय त्रुटियों की संभावना भी बढ़ जाती है। यदि मूल्यांकन में देरी होती है, तो इसका सीधा असर छात्रों के अगले शैक्षणिक सत्र और प्रवेश प्रक्रियाओं पर पड़ सकता है। विश्वविद्यालय का यह नया परीक्षा पैटर्न सुधार की बजाय छात्रों के लिए परेशानी का कारण नहीं बन जाए। दरअसल बिना पर्याप्त तैयारी और संसाधनों के लागू किया गया वह बदलाव न केवल छात्रों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकल है, बल्कि विश्वविद्यालय की प्रशासनिक क्षमता पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

केवल दो घंटे में पेपर हल करना होगा। छात्रों का कहना हैं कि डिस्क्रिप्टिव पेपर के लिए समय घटाना एक अव्यवहारिक निर्णय है, जिससे उनके प्रदर्शन पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, इंदौर की पदाधिकारी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक जाल सभागृह में संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद की द्वितीय पदाधिकारी परिषद की मीटिंग जाल सभागृह में महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर संपन्न हुई। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश दिन में बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत तिथियां द्वारा भगवान महावीर की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया श्रीमती अनामिका बाकलीवाल एवं अन्य महिलाओं द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। सतीश जैन के अनुसार इस अवसर पर महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर निकली स्वर्ण रथ यात्रा के सारथी श्री रोहित गंगवाल परिवार, भोजन के पुण्यार्जक सुभाष सामरिया परिवार एवं अन्य सहयोगियों का सम्मान समाज के मुख्य समन्वयक डीके जैन, मुख्य संयोजक सुरेंद्र बाकलीवाल कोषाध्यक्ष पिंकेश टोंग्या, प्रचार प्रमुख सतीश जैन आदि द्वारा पगड़ी, मोमेंटो, शाल श्रीफल आदि से किया गया।

शिक्षक जगदीश सोनी की सेवानिवृत्ति पर सम्मानित कर अभिनन्दन पत्र भेंट किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संकुल केंद्र शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राऊ, इंदौर के अंतर्गत आने वाले शासकीय माध्यमिक विद्यालय हुक्माखेड़ी के शिक्षक जगदीश सोनी के सेवानिवृत होने पर समारोह पूर्वक भावभीनी विदाई एवम सम्मान समारोह का आयोजन शिक्षक परिवार एवं स्वजनों ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीआरसी हरिओम वैष्णव एवं बीएसी शिल्पी शिवान तथा विशेष अतिथि वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन के वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष भगवतीप्रसाद पंडित, प्रान्तीय उपाध्यक्ष देवी सिंह बारूपाल एवं जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान अध्यापक श्रवण शर्मा ने की।

प्राचार्य नीलम दीक्षित के सेवानिवृत होने पर विद्यालय परिवार द्वारा विदाई समारोह आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय हाईस्कूल टीही की प्राचार्य श्रीमती नीलम दीक्षित की अधिवार्षिकि पूर्ण होने पर विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्तर पर विदाई व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इंदौर संभाग श्रीमती अनीता चौहान, पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष एवं शासकीय शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार, स्थानीय सरपंच श्री राम पटेल आदि उपस्थित थे।

हिंदू संगठनों ने फिर छुड़वाया हिंदू युवती को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विहिप बजरंग दल जिला जगन्नाथ कार्यकर्ताओं को सूचना प्राप्त हुई कि निपानिया स्थित होटल में मुस्लिम युवक हिंदू युवती के साथ ठहरा हुआ है,जिसके पश्चात तत्काल जगन्नाथ जिले के कार्यकर्ता व पदाधिकारी होटल लिव इन पहुंचे जहां एक युवक हिंदू युवती के साथ आपत्तिजनक हालत में मिला, युवक के मोबाइल में अन्य हिंदू युवतियों के साथ अश्लील वीडियो भी मिले तथा वाट्सअप पर कई हिंदू युवतियों से अश्लील चैटिंग भी मिली। खजराना निवासी युवक है, जहां उक्त हिंदू युवती जो कि मांडव से काम करने इंदौर आई थी और दो महीने से कार्यरत थी, जहां उक्त युवक ने युवती को बहला फुसलाकर प्रेमजाल में फंसाया और शोषण करने लगा, इसके

अलावा और भी कई हिंदू युवतियों को वह निशाना बनाया गया है। तत्पश्चात पुलिस द्वारा युवक को लसुड़िया थाने ले जाया गया, जहां थाना प्रभारी द्वारा सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए होटल संचालक के विरुद्ध भी कार्यवाही की गई,जहां होटल संचालक व स्टाफ द्वारा लव जिहाद को बढ़ावा देते हुए आईडी लिए बिना ही रूम दिए जा रहे थे।

बड़े बालाजी मंदिर के सामने नाले पर अवैध 6 दुकानों का निर्माण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर की आस्था के केंद्र प्राचीन बड़े बालाजी मंदिर के ठीक सामने नाले के ऊपर अवैध रूप से 6 पक्की दुकानों का निर्माण किया जाना अत्यंत गंभीर, चिंताजनक और प्रशासन की मिलीभगत को दर्शाने वाला मामला है। यह निर्माण दरगाह साइड से नाले पर स्लैब डालकर खुलेआम किया गया है, जो न केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि धार्मिक स्थल की गरिमा और श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ भी सीधा खिलवाड़ है। सबसे हैरानी की बात यह है कि मंदिर परिसर में दिनभर भाजपा के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और जिम्मेदार शासकीय अमला आते-जाते रहते हैं, फिर भी उनकी आंखों के सामने इस प्रकार का अवैध निर्माण होना कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

गैस सिलेंडर महंगाई के खिलाफ इंदौर शहर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री का मुखटा लगाकर किया प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश उपाध्यक्ष अलीम शेख के नेतृत्व में सरवटे बस स्टैंड पर इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगाई के विरोध में, कमर्शियल गैस सिलेंडर रखकर एवं मोदी का मुखटा लगाकर कमर्शियल गैस सिलेंडरों पर आम जनता एवं होटल व्यवसाय छोटे-मोटे व्यवसाय करने वाले आम लोगों ने हार फूल की माला चढ़कर गैस सिलेंडर को श्रद्धांजलि दी एवं दो मिनट का मौन भी रखा गया। भाजपा की केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। जहां आपने बताया है कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दामों में 994 तक की भारी बढ़ोतरी किए जाने से आम जनता पर अतिरिक्त भार पड़ेगा वहीं इससे महंगाई और बढ़ेगी तथा आम जनता पर सीधा असर पड़ेगा।

बदलते वक्त के साथ खुद को अपडेट करना जरूरी- अनंत त्यागी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एक अच्छा पत्रकार बनने के लिए जरूरी है कि खूब पढ़ें। हर तरह के, हर विषय से जुड़े कंटेंट का अध्ययन करें। जरूरी नहीं कि आप हर विषय में सिद्धहस्त हों पर कोई भी विषय आपसे अछूता न रहे इस पर ध्यान देना आवश्यक है। किसी भी विषय से जुड़ी तथ्यात्मक जानकारी आपके पास होना चाहिए तभी आप अपनी बात को बेहतर ढंग से श्रोता- दर्शकों के समक्ष प्रभावी ढंग से पेश कर सकते हैं। ये कहना है नई दिल्ली से आए ज़ी न्यूज़ के एंकर और वरिष्ठ पत्रकार अनंत त्यागी का।

केशव माधव वेयरहाउस के सचिव और संचालक की मनमानी, किसानों ने लगाए गंभीर आरोप

- शाम को वेयरहाउस बंद हुआ तो रात में गेहूं कहां से आया
- सचिव जिम्मेदार है लेकिन ताला चाबी संचालक के पास, माल गायब हुआ तो कौन होगा जिम्मेदार

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

सरकारी समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्थाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला देपालपुर के समीप ग्राम बनेडिया स्थित केशव माधव वेयरहाउस (लिम्बोदा केंद्र) का है, जहां किसानों ने वेयरहाउस संचालक और केंद्र सचिव पर मनमानी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

तीन दिनों से खड़ी हैं ट्रैक्टर-ट्रॉलियां-पीड़ित किसानों ने बताया कि वे 29 और 30 तारीख से अपनी उपज लेकर केंद्र पर खड़े हैं लेकिन 3 तारीख बीत जाने के बाद भी उनके गेहूं की तुलाई नहीं की गई। किसान महंगे किराए के

वाहन लेकर आए हैं, जिनका प्रतिदिन का खर्च बढ़ता जा रहा है लेकिन सचिव और वेयरहाउस संचालक की मनमानी चरम पर है।

रात के अंधेरे में 'अवैध' एंट्री का आरोप-किसानों का आरोप है कि वेयरहाउस मालिक और उनका पुत्र अपने परिचितों के ट्रैक्टरों को बिना नंबर के पीछे के रास्ते से प्रवेश दिलाकर तुलाई करवा रहे हैं। किसानों ने बताया कि शनिवार रात जब कांटा बंद हुआ था, तब वहां गेहूं का कोई ढेर नहीं था। लेकिन रविवार सुबह वहां अचानक 5 ट्रैक्टर गेहूं के ढेर लगे मिले।जब किसानों ने इस पक्षपात का विरोध किया, तो वेयरहाउस मालिक और उनके पुत्र ने अभद्रता की। मालिक का कहना था वेयरहाउस मेरा है, मैं अपने हिसाब से तुलाई करूंगा।'

वेयरहाउस संचालक पर किसानों ने गंभीर आरोप लगाए हैं रविवार को अवकाश का कहकर अपने चहेते का गेहूं रात में बुलवाकर वेयरहाउस में खुला रखवा लिया इतना ही नहीं संचालक ने किसानों से कहा हमारे पास मजदूर नहीं है ये मेरे मजदूर है किसानों का और गुस्सा बढ़ गया

केशव माधव वेयरहाउस पर खुलेआम मनमानी का खेल चल रहा है सेटिंग के माध्यम से अपनों का माल बुलवाकर तुलवा रहे हैं पहले किसान स्लॉट बुकिंग के लिए दर दर भटकता रहा अब वेयरहाउस सचिव संचालक की दादागिरी का सामना करना पड़ रहा किसान जाए तो कहा जाए।

इनका कहना है

'मैं रात में कांटा बंद करके गया था, तब सारा माल तुल चुका था। सुबह जब केंद्र पहुंचा तो वेयरहाउस मालिक ने अपने मिलने वालों के गेहूं के ढेर लगवा दिए थे।'

– लाखन बमोत्रिया, सचिव (लिम्बोदा केंद्र)

'मामला मेरे संज्ञान में आया है। मैं इसकी जांच करवाता हूं। यदि वेयरहाउस मालिक और सचिव की कार्यप्रणाली में अनियमितता पाई गई, तो उनके विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।'

– राहुल शर्मा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 04 मई 2026

दो रातों से 'वॉर्म नाइट' जैसे हालात, गर्मी से बढ़ी बेचैनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में दिन के मुकाबले अब रात की गर्मी लोगों को ज्यादा परेशान कर रही है। लगातार दो दिनों से रात का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, जिससे रातें भी गर्म महसूस हो रही हैं। देर रात और सुबह के समय भी गर्म हवा और उमस के कारण लोगों को राहत नहीं मिल पा रही। मौसम विभाग के अनुसार... रविवार को दिन का तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रात का तापमान सामान्य से अधिक बना रहा। शनिवार को दिन का पारा 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था। दिन के तापमान में हल्की गिरावट आई है, लेकिन रात में गर्मी और उमस का असर लगातार बना हुआ है। जब रात का तापमान सामान्य से काफी अधिक बना रहता है और गर्मी कम नहीं होती, तब उसे 'वॉर्म नाइट' की स्थिति माना जाता है। ऐसी स्थिति में शरीर को पर्याप्त ठंडक नहीं मिल पाती, जिससे बेचैनी, थकान और नींद

प्रभावित होने जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। दोपहर के समय भी शहर में तेज धूप और उमस का असर बना रहा। हालांकि फिलहाल लू जैसे हालात नहीं हैं, लेकिन हवा में नमी अधिक होने से कम तापमान में भी गर्मी ज्यादा महसूस हो रहा है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक इसी तरह गर्मी और उमस भरा मौसम बने रहने के संकेत दिए हैं। पिछले एक सप्ताह से रात का तापमान 23 से 25 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

सेवा संकल्प के साथ मनाया कर्मवीर प्रकाश मानावत का जन्मदिवस

पक्षियों हेतु सकोरा वितरण, पौधारोपण, गौसेवा व चिकित्सकों के सम्मान सहित विविध सेवा कार्य सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समाजसेवा की प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत करते हुए कर्मवीर समाजसेवी प्रकाश मानावत का जन्मदिवस इस वर्ष सेवा, संवेदना और जनकल्याण के विविध कार्यों के साथ मनाया गया। अवसर पर विशाल नि:शुल्क आयुष मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों नागरिकों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

राजमोहल्ला स्थित जौशी नगर, इंदौर में ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल परिसर में आयोजित इस शिविर में आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी पद्धति के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा मरीजों का परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क औषधियां वितरित की गईं। शिविर में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिसमें चयनित मोतियाबिंद मरीजों के नि:शुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। भीषण गर्मी को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मूक पक्षियों के लिए 1100 मिट्टी के सकोरों का वितरण किया गया। साथ ही पौधारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। गौसेवा के माध्यम से पशु कल्याण का भी विशेष ध्यान रखा गया।

हल्ला गुल्ला बाल नाट्य शिविर में नन्हे कलाकारों ने सीखे सुरक्षा के गुर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्थानीय शारदा मठ स्कूल में इन दिनों बच्चों के शोर-शराबे और रचनात्मकता की गूंज सुनाई दे रही है। यहाँ आयोजित 'हल्ला गुल्ला' नाट्य शिविर में बच्चों के कोमल मन को तराशने का अनूठा प्रयास किया जा रहा है। प्रसिद्ध रंगकर्मी प्रो. तपन मुखर्जी के निर्देशन में बच्चे नाट्य विधा की बारीकियों को सीख रहे हैं। शिविर प्रबंधक डॉ. परशुराम तिवारी ने बताया कि इस कार्यशाला का मूल उद्देश्य केवल अभिनय सिखाना नहीं, बल्कि बच्चों में सहभागिता और सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बन सकें। कार्यशाला के दूसरे दिन का आकर्षण यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ राजकुमार जैन का सत्र रहा। जैन ने बच्चों से किसी औपचारिक शिक्षक की तरह नहीं, बल्कि एक दोस्त की तरह 'स्नेह संवाद' किया। उन्होंने रोचक कहानियों और उदाहरणों के माध्यम से बच्चों को यातायात नियमों के महत्व से रूबरू कराया।

राजकुमार जैन ने बच्चों को प्रेरित किया कि वे अपने घर के बड़ों को सुरक्षा नियमों के पालन के लिए टोकें। उन्होंने कहा, 'बच्चे समाज के सबसे प्रभावशाली संदेशवाहक होते हैं। जब एक बच्चा अपने पिता से हेलमेट पहनने का आग्रह करता है, तो उसका प्रभाव किसी भी चालान से अधिक होता है।' संवाद के दौरान बच्चों ने अपने घरों के जो अनुभव साझा किए, वे चौंकाने वाले और विचारणीय थे। कुछ बच्चों ने बताया कि उनके पापा कभी-कभी लंबी दूरी की यात्रा के दौरान हेलमेट पहनते हैं, लेकिन मम्मी अक्सर बिना हेलमेट के तेज गाड़ी चलाती हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रार्पर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

मदर्स डे पर महिलाओं के लिए भव्य और सबसे बड़ी कार रैली का आयोजन 10 मई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में पहली बार मदर्स डे के उपलक्ष्य में 'मदर इंडिया-शक्ति ऑन व्हील्स' शीर्षक भव्य कार रैली का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में महिला प्रतिभागी शामिल होकर अनुशासन, पानी की बचत, स्वच्छता, पर्यावरण, परिंदों की सेवा के साथ ही शहर में यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूकता का सन्देश भी देंगी। रविवार 10 मई को सुबह 7.30 बजे नेहरु स्टेडियम से प्रारंभ होकर यह कार रैली बायपास स्थित फिनिक्स सिटाडेल मॉल तक पहुंचेगी। रैली में भाग लेने के लिए उम्र, जाति अथवा अन्य किसी तरह का बंधन नहीं है लेकिन प्रतिभागी के पास चार पहिया वाहन चलाने का लाइसेंस अवश्य होना चाहिए। रैली संयोजक किशोर गोयल एवं रजनी खेतान ने बताया कि शहर के प्रख्यात एमरल्ड समूह के प्रमुख, समाजसेवी एवं उद्योगपति विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में होने वाली इस कार रैली में शामिल सभी महिलाओं को आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएँगे।

भोपाल की ताल के चौपाल से

साहब और सिंघल की जोड़ी हिट, इधर मैडम को चाहिए चमाट मार असिस्टेंट!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश की सियासत और अफसरशाही में इन दिनों कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। नौशाद की विदाई से लेकर सिंघल-साहब की जोड़ी तक, यहां पर सत्ता और प्रशासन की कड़ी जुड़ी हुई है। वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के कॉलम बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से... मध्यप्रदेश की सियासत और अफसरशाही के अंदरखाने की हलचल से गर्म है। कहीं जुगलबंदी सुर्खियां बटोर रही है तो कहीं फैसलों के पीछे छिपी कहानियां चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अफसरों की कार्यशैली, नेताओं की नजदीकियां और सिस्टम के भीतर चल रही हलचल मिलकर ऐसा माहौल बना रही हैं, जहां हर छोटी-बड़ी बात पूरी भैरंट कहानी बनकर सामने आ रही है।

नौशाद की विदाई, जावेद का नंबर कब?

दिल्ली से लेकर मध्यप्रदेश के पावर कॉरिडोर तक इन दिनों नौशाद की खूब चर्चा है। सरकारी सिस्टम में बड़े ठेकों की सेटिंग और मैनेजमेंट के लिए मशहूर नौशाद की अचानक रवानगी हो गई है। अंदरखाने की खबरों के अनुसार यह फैसला लोकल स्तर का नहीं, बल्कि सीधे दिल्ली से तय हुआ है। खास बात यह कि नौशाद एक ताकतवर मंत्री का बेहद भरोसेमंद चेहरा रहा है। जब मंत्री ने पाला बदला और कांग्रेस से बीजेपी में एंट्री ली तो नौशाद भी उसी राह पर चल पड़ा था। यानी नौशाद कमलनाथ सरकार से लेकर अब तक वह कई बड़े प्रोजेक्ट्स में अहम रोल निभाता रहा। अब वह सिस्टम से बाहर हो गया है। लिहाजा, अब निशाना जावेद पर आ टिका है। जावेद भी एक मंत्री का खासमखास है। विभाग के ज्यादातर काम उसी के इशारों पर होते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या अगला नंबर जावेद का है या फिर वह अपनी पकड़ बचाने में कामयाब रहेगा?

क्या स्टील फ्रेम से रबर फ्रेम हो गए आईएएस?

क्या अब ब्यूरोक्रेसी स्टील फ्रेम से रबर फ्रेम हो गए हैं? ये सवाल हम नहीं पूछ रहे, बल्कि ये सवाल मध्यप्रदेश कैडर के युवा आईएएस अपने बैचमेट के ग्रुप्स में उठा रहे हैं। वे मध्य प्रदेश आईएएस एसोसिएशन के रवैए को लेकर हताश और निराश हैं। दरअसल, पहले भिंड कलेक्टर के साथ बीजेपी विधायक ने झगड़ा किया। फिर जबलपुर स्मार्ट सिटी सीईओ के साथ मंत्री ने बदसलूकी की। इसके बाद भी आईएएस एसोसिएशन आईएएस अफसरों के पक्ष में ताकत से खड़ा नहीं हुआ। अब युवा आईएएस अपनी ही एसोसिएशन के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं। आपको बता दें कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने 21 अप्रैल 1947 को नई दिल्ली में आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) को स्टील फ्रेम कहा था। पटेल ने यह बात मेटकाफ हाउस में प्रशासनिक अफसरों को संबोधित करते हुए कही थी। माना भी जाता है कि आईएएस जो चाहें वो कर सकते हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में जिस तरह से हालिया घटनाक्रमों पर अफसरों का संगठन दूसरी करवट बैठा है, उसके कई मायने निकाले जा रहे हैं।

साहब और सिंघल की जोड़ी बेमिसाल...

इन दिनों सिस्टम में सचिव स्तर के एक अफसर और उनके ऑल-इन-वन कंसल्टेंट का काम खूब सुर्खियां बटोर रहा है। विभाग के बड़े ठेके, सप्लाई टेंडर से लेकर सेटिंग तक का पूरा खेल सीधे सिंघल नाम के कंसल्टेंट के दरबार में तय हो रहा है। अब तो ठेकेदारों ने भी रास्ता बदल लिया है। पहले फाइल लेकर साहब के कमरे के बाहर खड़ा होना पड़ता था, अब सीधे कंसल्टेंट के पास दस्तक होती है। आप यकीन मानिए, सिंघल ने हरी झंडी दे दी तो साहब की मुहर भी अपने आप लग जाती है। बताया जा रहा है कि लंबे समय तक साइड लाइन रहे साहब जब से मुख्यधारा में लौटे हैं तो उनकी प्राथमिकताएं बदल गई हैं। अब वे हर फाइल में स्कोप तलाशते हैं। उपर से साहब के कुछ निजी शौक भी हैं, जिनका ख्याल रखने की जिम्मेदारी भी कंसल्टेंट ने ही उठा रखी है। बदले में साहब भी कंसल्टेंट को खुला मैदान दे रहे हैं। अब सिस्टम में यह जोड़ी नई पावर डुओ के तौर पर देखी जा रही है और हर सौदे का रास्ता उसी दरवाजे से होकर गुजर रहा है।

मैडम को चाहिए चमाटमार असिस्टेंट!

सूबे की एक अपर कलेक्टर मैडम की पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। अंदरखाने की चर्चा यही है कि इस पोस्ट को खुद मैडम ने वायरल करवाया है। पोस्ट में लिखा है कि उन्हें एक ऐसे असिस्टेंट की तलाश है, जो उनके इशारे पर सामने वाले को दो चमाट रसीद कर सके। अब मामला क्या है, मैडम किससे परेशान हैं और आखिर उन्हें ऐसे असिस्टेंट की जरूरत क्यों पड़ रही है... ये सवाल हर किसी के मन में घूम रहे हैं। इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं, सिवाय मैडम के, लेकिन इतना तय है कि मैडम की यह पोस्ट अफसरशाही के गलियारों में सुर्खियां बटोर रही है। लोग मुस्कुरा भी रहे हैं और इशारों में इस पोस्ट के मायने भी निकाल रहे हैं। अब देखना है कि वरिष्ठ अधिकारियों की मैडम पर नजर पड़ती है या मैडम अपने चमाटमार असिस्टेंट को खोजने में सफल हो पाती हैं।

मैडम की निडरता तो कमाल है...

राज्य प्रशासनिक सेवा की एक महिला अफसर इन दिनों अपने निडर अंदाज को लेकर चर्चाओं में हैं। मैडम जिलों के उपार्जन केंद्रों पर औचक निरीक्षण के नाम पर पहुंच रही हैं और वहीं गेहूं के बोरों में नोट भरने की कहानी सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके साथ एक भरोसेमंद सहायक भी रहता है, जो पूरा लेन-देन संभालता है। दिलचस्प यह है कि यह सब उस वक्त हो रहा बताया जा रहा है, जब सूबे के मुखिया खुद गेहूं उपार्जन व्यवस्था पर नजर रखने के लिए निरीक्षण कर रहे हैं। इसके बावजूद मैडम का अंदाज जरा भी डगमगाता नहीं दिख रहा। न कोई हिचक, न कोई डर... बस अपने तरीके से काम जारी है। अब सवाल यही है कि इतनी खुली चर्चा के बावजूद मैडम बेखौफ कैसे हैं? क्या सिस्टम में सबकुछ जानकर भी अनदेखा किया जा रहा है या फिर मामला कहीं और सेट है? फिलहाल अफसरशाही के गलियारों में यह किस्सा तेजी से तैर रहा है और उपार्जन केंद्र अब सिर्फ अनाज नहीं, चर्चाओं का भी केंद्र बन गए हैं।

ये जुगलबंदी भी खूब जमेगी?

सूबे में गेहूं खरीदी को लेकर मचे घमासान के बीच अब नई सियासी जुगलबंदी चर्चा में है। जी हां, मामा और भैया की जोड़ी कुछ बड़ा करने वाली है। खबर है कि शिवराज मामा और मोहन भैया इंदौर में साथ बैठकर खेती से जुड़े मुद्दों और ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन की तैयारियों पर मंथन करेंगे। दिलचस्प यह है कि दोनों ही नेता इन दिनों किसानों के हित में बड़े फैसलों की बात कर रहे हैं। बयान अलग-अलग मंचों से आ रहे हैं, लेकिन सुर एक जैसे हैं। ऐसे में खेत-खलिहान से लेकर मंडियों तक एक ही सवाल तैर रहा है कि आखिर किसानों का असली मसीहा कौन है? अब राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को ताकत के संतुलन के तौर पर देखा जा रहा है। साथ-साथ वाली यह तस्वीर क्या संदेश देगी, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं। फिलहाल, मामा-भैया की इस जुगलबंदी ने माहौल में नई उत्सुकता घोल दी है।

सरकारी आवास और कम्फर्ट कॉलोनी?

ऊर्जाधानी जिले में इन दिनों सरकारी आवास को लेकर दो तस्वीरें आमने-सामने हैं। एक तरफ कलेक्टर साहब हैं, जिन्होंने आते ही कॉर्पोरेशन का आरामदायक ठिकाना छोड़कर सरकारी बंगले में शिफ्ट होने का फैसला किया है। पद संभालते ही उन्होंने सालों से खाली पड़े बंगले का निरीक्षण किया और साफ कहा कि मरम्मत कराइए, मैं यहीं रहूंगा। दूसरी तरफ कमिश्नर मैडम हैं, जो कॉलोनी के आलीशान आवास में ठहरी हैं। हालांकि यह कोई नियम विरुद्ध नहीं है, लेकिन इसे लेकर शहर में हल्की-फुल्की चर्चा तैर रही है। स्थानीय कर्मचारी और आमजन कह रहे हैं कि यदि अफसर शहर के बीच सरकारी आवास में रहें, तो काम की मॉनिटरिंग और जनता से संवाद दोनों आसान हो जाते हैं। इस तरह कलेक्टर साहब के फैसले को सराहा जा रहा है। अब एक ही जिले में दो अलग-अलग अंदाज सामने हैं। एक सरकारी बंगला अपनाने का और दूसरा कॉलोनी कंफर्ट बनाए रखने का। किसका तरीका बेहतर है, इसका फैसला तो वक्त करेगा, लेकिन फिलहाल यह फर्क गॉसिप बना हुआ है।

भगवान कृष्ण का नाम जपने से ही हृदय में प्रकट हो जाते है भगवान : विरागानंद महाराज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भगवान कृष्ण का नाम जपने से ही व्यक्ति के हृदय में भगवान प्रकट हो जाते है,जहां विश्वास होता है वहां भगवान होते है,भगवान विश्वास से मिलते है,संसार में विश्वास बहुत जरूरी है,जीवन में धर्मात्मा वही होते है जिनके पास सत्य,दया, दान,और तप हो,धर्म के चार चरण सत्य, दया, दान,तप होते है,सनातन धर्म, संस्कृति, शास्त्रों को समझना जरूरी है,इसे हर व्यक्ति जरूर समझे,संसार में व्यक्ति अगर उच्च पद पर प्रतिष्ठित भी हो जाए तो कभी अभिमान नहीं करे, पुण्य कर्मों की फल की प्राप्ति जरूर होती है, सरलता और सहजता जीवन में बनी रहना चाहिए,उत्तम पुत्र वही है जो पिता के संकल्प को मानकर कार्य करे उसे ही उत्तम पुत्र होते है,जीवन में हर व्यक्ति अगर ठान ले तो मन को वश में कर सकता है,कुसंग से हटेंगे और सत्संग से जुड़ेंगे तो मन स्थिर होगा,हर व्यक्ति को अपना मन सही जगह लगाना चाहिए।

सम्पादकीय

कलेक्शन में रिकॉर्ड उछाल, लेकिन राहत के पीछे छिपी हैं नई मुश्किलें

इस परेशानी का मूल कारण कच्चे माल एवं सेवाओं तथा तैयार माल की कर दरों के बीच का भारी अंतर है। यानी कई तरह के कच्चे माल को जीएसटी की अठारह फीसद की श्रेणी में रखा गया है, जबकि उससे तैयार माल पर पांच फीसद कर निर्धारित है। पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे बहुस्तरीय वैश्विक संकट के बीच देश के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में खासी बढ़ोतरी अर्थव्यवस्था की गति को बनाए रखने के लिए निश्चित रूप से संबल प्रदान करेगी। इससे सरकारी कोष को मजबूती मिलेगी और विकास से जुड़ी नीतियों के निर्माण में भी आसानी होगी। जब सरकार के पास पर्याप्त पूंजी का प्रावधान होता है, तो नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाओं के सृजन या विस्तार की योजनाओं को जमीन पर उतारने में आर्थिक बाधाएं खत्म हो जाती हैं। जीएसटी संग्रह में 8.7 फीसद की वृद्धि दर्शाती है कि उपभोक्ता बाजार में उत्साह बना हुआ है और लोग सामान एवं सेवाओं पर खर्च कर रहे हैं। सरकार के स्तर पर इस बढ़ोतरी को पिछले वर्ष लागू किए गए जीएसटी सुधारों से जोड़कर देखा जा रहा है। मगर इसका एक पहलू यह भी है कि इन सुधारों से व्यापारी वर्ग से लेकर आम आदमी को एक तरफ राहत जरूर मिली है, लेकिन दूसरी तरफ उनकी मुश्किलें बढ़ी हैं। सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते अप्रैल में देश का जीएसटी संग्रह बढ़कर 2.43 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले जीएसटी का सर्वकालिक उच्च संग्रह अप्रैल, 2025 में 2.23 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा था। इस बार घरेलू लेन-देन से सकल राजस्व 4.3 फीसद बढ़कर 1.85 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, जबकि आयात से जीएसटी संग्रह 25.8 फीसद की वृद्धि के साथ 57,580 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे स्पष्ट है कि आयात से जुड़ी गतिविधियों में इजाफा हुआ है, जो वैश्विक अस्थिरता के बीच राजस्व प्राप्त करने के स्तर पर तो उत्साहजनक हो सकता है, लेकिन आत्मनिर्भरता के मोर्चे पर यह देश के कमजोर पक्ष को दर्शाता है। इसके साथ ही घरेलू लेन-देन और आयात आधारित राजस्व के बीच बढ़ा अंतर नीतिगत पुनर्मूल्यांकन की जरूरत की ओर इशारा करता है। ऐसे में जरूरी है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलावों के अनुरूप मजबूत करने के व्यापक स्तर पर प्रयास किए जाएं। घरेलू लेन-देन के मोर्चे पर राजस्व संग्रह की बात की जाए, तो सितंबर 2025 से लागू हुए जीएसटी सुधारों के तहत करीब 375 वस्तुओं पर कर दरें कम की गई थीं और चार श्रेणियों को मिलाकर पांच एवं अठारह फीसद की दो श्रेणियां रखी गई थीं।

सार्वजनिक बहस का मुद्दा बनता भारत में शहरी नियोजन

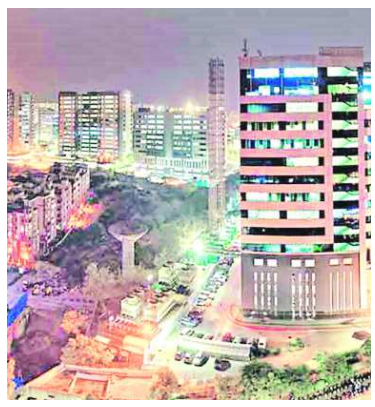

जब भी हमारे शहरों पर कोई बड़ा संकट आता है तो भारत में शहरी नियोजन का 'अव्यवस्थित' स्वरूप अक्सर सार्वजनिक बहस का मुद्दा बन जाता है, जैसे कि चेन्नई शहर में आई बाढ़ के बाद हुआ था। चूँकि शहरी नियोजन और इसके प्रवर्तन को आम तौर पर भारत के 'निष्क्रिय' शहरों के लिए ज़िम्मेदार घोषित कर दिया जाता है, इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि भारत की मौजूदा शहरी नियोजन व्यवस्था के मूलभूत तत्वों की गहन पड़ताल की जाए। हमें भारत में शहरी नियोजन के संस्थागत ढाँचे के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न पूछने होंगे: शहर की योजना बनाने का अधिकार किसके पास है? आखिर भारत के शहरी नियोजन के कानून और प्रक्रियाएँ ऐसी क्यों बनाई गई हैं? हालाँकि भारत की संवैधानिक योजना के अंतर्गत शहरी नियोजन का काम निर्वाचित स्थानीय सरकारों का है, लेकिन नियोजन की यह प्रक्रिया मुख्यत: राज्य सरकार के तहत गैर-प्रतिनिधि नौकरशाही एजेंसियों द्वारा संपन्न की जाती है। यहाँ मैं इस विसंगति के मूलभूत कारणों को उजागर करना चाहूँगा। मैं भारत के शहरी नियोजन संबंधी संस्थानों से संबंधित मूलभूत ऐतिहासिक कारणों का पता लगाना चाहूँगा ताकि यह उजागर किया जा सके कि शहरी नियोजन और 'सुधार' को शहर की राजनीति से अलग रखने का औपनिवेशिक तर्क आज भी भारत में नियोजन प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित कर रहा है। साथ ही मैं भारतीय शहरों के नियोजन की पुराने ढंग की ऐसी परिपाटी के प्रभावों की भी जाँच करना चाहूँगा। सन् 1992 में भारत की स्थानीय शासन प्रणाली में संवैधानिक सुधारों (73वें और 74वें संशोधन के रूप में) के साथ-साथ भारी परिवर्तन भी किये गए। इन सुधारों के द्वारा ग्रामीण और शहरी स्थानीय सरकारों को 'स्व-शासन की संस्थाओं' के रूप में काम करने योग्य बनाया गया। 74वें संशोधन में निर्वाचित नगर पालिकाओं को आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय और 12वीं अनुसूची के तहत सूचीबद्ध विषयों के लिए योजनाएँ और स्कीमें तैयार करने और लागू करने की शक्ति प्रदान की गई है। 12 वीं अनुसूची में सूचीबद्ध विषयों के अंतर्गत पहले तीन विषय हैं, शहरी नियोजन, ज़मीन के उपयोग का विनियमन और आर्थिक एवं सामाजिक विकास। इसके अलावा, 74 वें संशोधन के अंतर्गत 1 मिलियन से अधिक आबादी वाले महानगरीय शहरों के लिए, महानगरीय नियोजन समिति (स्वश्च्ट) का गठन अनिवार्य किया गया है। इस समिति में कम से कम दो-तिहाई सदस्य स्थानीय प्रतिनिधि चुनने का प्रावधान है, ताकि महानगर क्षेत्र में स्थानीय निकायों द्वारा तैयार की गई योजनाओं को शामिल करते हुए विकास की योजना तैयार की जा सके। यही कारण है कि व्यापक क्षेत्र के लिए योजना तैयार करने के लिए उत्तरदायी नगर पालिकाओं के साथ शहरी नियोजन के कार्य को भी निर्वाचित नगर पालिकाओं के साथ जोड़ दिया गया। परंतु यह विकास प्राधिकरण नगर पालिका की सरकार या नगर पालिका के बजाय राज्य सरकार के नियंत्रण में है और इसका मुख्य दायित्व भारत के अधिकांश बड़े शहरों में शहरी नियोजन ही है। विकास प्राधिकरण ऐसी सांविधिक एजेंसियाँ हैं जो अवसंरचनात्मक विकास और आवासीय परियोजनाओं के

साथ-साथ नगर में शहरी नियोजन के लिए भी ज़िम्मेदार हैं। वे ऐसी नौकरशाही की एजेंसियाँ हैं, जिनमें न तो स्थानीय प्रतिनिधित्व होता है और न ही स्थानीय सरकार के प्रति किसी तरह की जवाबदेही होती है। दिल्ली विकास प्राधिकरण या बैंगलोर विकास प्राधिकरण जैसी एजेंसियाँ 'मास्टर योजनाएँ' बनाती हैं, जिनके माध्यम से हर 10-20 साल में शहर में भूमि के उपयोग और विकास का विनियमन किया जाता है। भारत में शहरी नियोजन की खामी यही रही है कि एक लंबे समय से इसमें स्थानीय लोकतंत्र का अभाव रहा है। भारत की मौजूदा शहरी नियोजन प्रणाली का आधार वे योजना संस्थाएँ और कानून रहे हैं, जिनकी स्थापना साम्राज्यवादी ब्रिटिश सरकार ने सन् 1886 में बंबई में बुबोनिक प्लेग फैलने पर की थी। ब्रिटिश द्वारा निर्मित अधिकांश शहर दोहरे नगर के रूप में चलते थे। दोनों शहरों में स्पष्ट विभाजन होता था। 'फ़ोर्ट' इलाके में ब्रिटिश रहते थे और 'देसी' कस्बे में भारतीय रहते थे। प्लेग के प्रकोप से पहले तक ब्रिटिश मुख्यत: छावनियों में और उससे जुड़े सिविल लाइंस के इलाकों में रहते थे। लेकिन जब प्लेग ने बंबई की 6 प्रतिशत आबादी को खत्म कर दिया और शहर में व्यावसायिक गतिविधियों को ठप्प कर दिया तो साम्राज्यवादी सरकार को लगा कि उन्हें दखल देने की आवश्यकता है और समग्र रूप में एक शहर के विकास को विनियमित करना होगा। सन् 1898 में बंबई सुधार न्यास का गठन किया गया और उसके आधार पर पूरे ब्रिटिश इंडिया में इस प्रकार की विभिन्न न्यासों का गठन किया गया। बीमारियों के प्रकोप को रोकने के लिए न्यास को यह दायित्व सौंपा गया कि वे बाहरी नियोजन, नई सड़कों का जाल बिछाने, मकानों के निर्माण और भीड़-भाड़ भरे इलाकों में भीड़ को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। साम्राज्यवादी सरकार ने महसूस किया कि प्लेग फैलने का मुख्य कारण है, 'देसी' इलाकों में भीड़-भाड़ और गंदगी होना। इसलिए उन्होंने झोपड़पट्टियों को गिराकर उनमें सुधार लाने के लिए न्यासों को 'विशिष्ट डोमेन' अधिकार प्रदान किये। बाद में नगर सुधार न्यासों की स्थापना कलकत्ता,लखनऊ, कानपुर,इलाहाबाद,दिल्ली और बैंगलोर जैसे ब्रिटिश नियंत्रण वाले विभिन्न शहरों में की गई। इन न्यासों का संचालन नगर निगमों के समानांतर स्वायत्त रूप में होता था और सन् 1882 में ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड रिपन द्वारा जारी किये गए स्थानीय स्व-शासन के प्रस्ताव के बाद ये न्यास आंशिक तौर पर प्रतिनिधि निकाय बन गए। इन न्यासों के संचालन से यह सुनिश्चित हो गया कि साम्राज्यवादी नौकरशाही निर्वाचित नगर निगमों के दखल के बिना ही शहरी विकास के लिए आवश्यक निर्देश दे सकती थी और उन्हें विनियमित भी कर सकती थी। स्थानीय राजनीति से शहरी नियोजन की घेराबंदी की नगर सुधार न्यासों की यह प्रथा स्थायी उत्तर-साम्राज्यवादी विरासत है और बाद में ये न्यास ही विकास प्राधिकरणों के रूप में बदल गए। हर साल विकास प्राधिकरणों की बढ़ती शक्तियों को विकेंद्रित करके स्थानीय सरकार को सौंपने के संवैधानिक हस्तक्षेपों के बावजूद राज्य में निहित नौकरशाही के ढाँचे को गिराना संभव नहीं हो पाया। 74 वें संशोधन को पारित करने के लगभग तीन दशक के बाद भी शहरी नियोजन और विकास प्राधिकरण को शासित करने वाले विधायी कानूनों में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जिनसे नियोजन प्रक्रियाओं को लोकतांत्रिक बनाया जा सका हो। शहरी नियोजन संबंधी अधिकांश कानून 1960 के संघ सरकार के मॉडल टाउन और कंट्री नियोजन कानून पर आधारित रहे हैं और यह कानून ही अपने-आपमें ब्रिटिश टाउन ऐंड कंट्री प्लैनिंग ऐक्ट ऑफ़ 1947 पर आधारित है। इन कानूनों से ही केंद्रीकृत और टॉप-डाउन नियोजन प्रणाली विकसित हुई है और यह प्रणाली स्थानीय सरकार से संबद्ध नहीं है और इनमें आम लोगों की भागीदारी की बहुत कम गुंजाइश है।

भारतीय शहरों की मास्टर प्लैनिंग की सीमाएँ ब्रिटिश-प्रेरित पुरानी नियोजन प्रणाली के अनुरूप ही हैं। वास्तव में यह प्रणाली युनाइटेड किंगडम में पूरी तरह बदल गई है। जहाँ एक ओर अधिकांश दुनिया कहीं अधिक गतिशील नियोजन प्रक्रियाओं की ओर आगे बढ़ रही है, वहीं भारत की नियोजन प्रक्रिया में 'मास्टर प्लान' को एक ऐसा स्रोत मान लिया गया है, जिसके माध्यम से सैद्धांतिक रूप में कम से कम शहरी विकास के बारे में तो सब कुछ तय कर लिया जाता है और उसका विनियमन भी कर लिया जाता है।भारतीय शहर पर थोपी गई सुविचारित आधुनिक मास्टर प्लानिंग प्रणाली भी हजारों कटौतियों के कारण खोखली हो जाती है। निश्चय ही डिफ़ॉल्ट रूप में नहीं, बल्कि डिज़ाइन के कारण ऐसा होता है। यह एक भयानक तमाशा है कि क्या होता है जब राजनेता जो केवल अनुबंधों पर अपनी आंखों के साथ काम करते हैं, शासक जिन्हें पता नहीं है कि शहरी नियोजन क्या है, और ये शासक जो अपने कर्तव्यों के प्रति बेहद लापरवाह हैं, यह देखने के लिए एक साथ आते हैं कि वर्तमान महाराष्ट्र में क्या होता है। पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों से शहर में आना और रात में घर लौटना उतना ही दयनीय है जितना कि सबसे पिछड़े अफ्रीकी महाद्वीप या शासकों का राज्य। मुंबई को उप-राजधानी नागपुर से जोड़ने वाले समृद्धि महामार्ग के निर्माण की सरकार की सराहना कौन करता है? लेकिन मुंबई से इस समृद्धि राजमार्ग के मुहाने तक पहुंचना एक बड़ी बात है। इसे पार करने के बाद, फिर तथाकथित समृद्धि राजमार्ग की रेगिस्तानी यात्रा। मुंबई में मेट्रो नेटवर्क बनाने का क्रेडिट लेते हुए 20 मिनट की मेट्रो यात्रा के पहले और बाद में आधे घंटे का इंतजार करना पड़ता है, इसका कोई जवाब नहीं है। एक ओर, इन शासकों का विकास पुरानी विश्वसनीय 'बेस्ट' बस सेवा का ध्यान रखना और नए अनुबंध उद्योगों को आगे बढ़ाना है। नई पॉड टैक्सी, पुराने स्काईवॉक, पुराने स्काईवॉक, नए पुलों को गिराना, पुणे और उसके आसपास सिटी बस सेवा के लिए बनाए गए विशेष गलियारे, दोपहिया वाहनों से लेकर मालगाड़ियों तक सभी ट्रेनों में पानी भर गया है। शासकों को शायद इस बात की जानकारी नहीं होगी कि हम इस गैर-जिम्मेदाराना शासन के कारण भिखारियों की स्थिति से भिखारियों की स्थिति में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, विकसित होने की तो बात ही छोड़ दें; लेकिन क्या आपके पास है? इसका ईमानदार जवाब है कि जिन लोगों को इतना सौभाग्य मिला है कि अतिविकास के बोझ तले कम से कम एक शहर का दम घुट रहा है, न्यूनतम विकास के अभाव में गांव सूख रहे हैं। जब उन्हें मुश्किल से 15 मिनट की दूरी के लिए पांच-छह घंटे के जाम में फंसे रहना पड़ता है, तो हमारे विकास के पुरुषों को भोजन-पानी के अभाव में बच्चों की क्या दुर्दशा होती है, शौचालय के अभाव में महिलाओं और पिताओं को क्या पीड़ा होती है, इसका पता नहीं चल पाता है। वे नियम तोड़ सकते हैं और खुशी से विपरीत दिशा में जा सकते हैं। आपको बताया गया कि कैसे हमने सत्ता की इस बयानबाजी को रोकने के लिए वाहनों पर लगी लाल बत्तियां हटा दीं, और बेवकूफ समुदाय ने कहा, 'क्या महत्वपूर्ण निर्णय है।।।' यह कहते हुए, इस निर्णय की सराहना किसने की जो सरल होने का दिखावा करता है। हो सकता है कि लाल बत्तियाँ बंद हो गई हों। लेकिन इन मंत्रियों के सामने कारों की संख्या बढ़ गई। संविधान के अनुसार, एक ऐसे व्यक्ति के काफिले में 25-25 कारें होती हैं जो उस पद पर मौजूद नहीं हैं, और लोगों से शर्मिंदा होने का कोई सवाल ही नहीं है और नागरिकों के मन में होने का कोई सवाल ही नहीं है। विकास की कमी के कारण ये इतना हुआ है कि हमारी विकासवादी सरकार ने हाल ही में संकरी गलियों में भी गगनचुंबी इमारतों को अनुमति देने का फैसला किया है। यदि आवश्यक हो, तो यह ठीक है यदि फायर ब्रिगेड के वाहन वहां तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं, भले ही नागरिकों के आने-जाने के लिए पर्याप्त रास्ते न हों, भले ही वाहनों को सड़कों पर खड़ा करना पड़े; लेकिन जब विकास होता है, डेवलपर्स आते हैं, उनका कारपेट एरिया बढ़ता है, वेटलैंड्स को भरने का मौका मिलता है, नमक पैन भरकर बिल्डिंग बनाने की जरूरत होती है, कई झुग्गियों के पुनर्विकास के लिए किसी बड़े सरकारी हितैषी उद्योगपति को ठेके दिए जा सकते हैं, और अगर यह सब चलता रहा तो चुनावों में पर्याप्त पैसा मिलता रहेगा। हाल ही में महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर पुणे और मुंबई को जोड़ने वाली नई लाइन का उद्घाटन किया गया । लेकिन अगर खाते की स्याही सूखी नहीं है, तो तुरंत चर्चा क्यों शुरू करें? तो इस मार्ग पर आधा दर्जन और सुरंगें कैसे बनाई जा सकती हैं? अधिक काम का अर्थ है अधिक अनुबंध, जिसका अर्थ है कि उन्हें देने वालों के लिए अधिक कमाई।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

सर्वे में सिटीजन फीडबैक से तय होगी धार की रैंकिंग

दैनिक इंदौर संकेत

धार • स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। मई के दूसरे सप्ताह में ओडीएफ प्लस-प्लस की टीम किसी भी समय धार की सड़कों, गलियों और वार्डों का निरीक्षण करने पहुंच सकती है। इस बार खास बात यह है कि टीम के आने से पहले ही शहरवासियों की राय, यानी 'सिटीजन फीडबैक', लेना शुरू कर दिया गया है। महज दो दिनों में शहर के 600 प्रबुद्ध नागरिकों ने ऑनलाइन लिंक के माध्यम से अपनी राय दर्ज कराई है। नगर पालिका प्रशासन के लिए इस बार की राह आसान नहीं है। कुल 12,500 अंकों के इस सर्वेक्षण में जनता का हर जवाब शहर की रैंकिंग तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। ऐसे में प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। सर्वेक्षण टीम के आगमन की आहट मिलते ही नगर पालिका अमला एक्टिव मोड में आ गया है। शहर के प्रमुख चौराहों, जैसे घोड़ा चौपाटी, सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नई लाइटिंग लगाई जा रही है। सड़कों की विशेष सफाई कराई जा रही है। निरीक्षण के दौरान शहर चकाचक नजर आए, इसलिए यह काम तेज किया गया है। हालांकि जानकारों का कहना है कि केवल लाइटिंग और पेंटिंग से काम नहीं चलेगा। इस बार सर्वेक्षण की गाइडलाइंस काफी सख्त हैं।

अवैध क्लीनिक और फीनोबैंक एक साथ चला रहे डॉक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी • शहर और तहसील क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों का एक संगठित नेटवर्क सक्रिय है। ये डॉक्टर, जिनके पास कोई मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं है, एलोपैथिक इलाज के नाम पर गरीब ग्रामीण आदिवासियों का शोषण कर रहे हैं। वे न केवल स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं, बल्कि इलाज के दौरान जरूरतमंदों को पैसा उधार देकर भारी ब्याज भी वसूलते हैं। कई मामलों में हल्की बीमारी को भी गंभीर बताकर इलाज के लिए राशि उधार दी जाती है और उस पर बड़ा ब्याज वसूला जाता है। यह अवैध धंधा लंबे समय से क्षेत्र में फल-फूल रहा है। इसके बावजूद, स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की ओर से इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। वर्षों से बड़ी संख्या में चल रहे इन अवैध क्लीनिकों के संचालन में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। कुक्षी शहर में कई झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिक के साथ कियोस्क सेंटर और फिनो बैंक भी संचालित किए जा रहे हैं, जो उनकी गतिविधियों की जटिलता को दर्शाता है।

धार में कंपनी ने सड़क खोदी; न बैरिकेड, न बोर्ड

दैनिक इंदौर संकेत

धार • सरदारपुर-भैसोला मार्ग पर ग्राम राजोद और संदला के बीच बीएसएनएल कंपनी द्वारा नेटवर्क केवल बिछाने का काम किया जा रहा है। इस दौरान टू-लेन सड़क की साइड पटरी तक गहरी खुदाई कर दी गई है, जिससे सड़क किनारे खाई बन गई है। सबसे बड़ी लापरवाही यह है कि खुदाई स्थल पर न तो कोई चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही बैरिकेडिंग की गई है। खासकर रात के समय अंधेरे में ये गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे हादसे का खतरा लगातार बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क का संतुलन बिगड़ गया है और कई वाहन चालक यहां दुर्घटना का शिकार होते-होते बचे हैं। रात में स्थिति और खतरनाक हो जाती है। इसी मार्ग पर ग्राम सारोटी स्थित पटेल वेयरहाउस में इन दिनों गेहूं तुलाई का काम चल रहा है। बड़ी संख्या में किसान यहां पहुंच रहे हैं, लेकिन खराब सड़क और खुदाई के कारण जाम और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्य के दौरान पास का नाला भी बंद कर दिया गया है, जिससे पानी की

निकासी रुक गई है। ग्रामीणों को आशंका है कि बारिश में यहां जलभराव हो सकता है और आवागमन और मुश्किल हो जाएगा। यह सड़क गुजरात से राजस्थान को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जहां भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में बिना सुरक्षा इंतजाम के की गई खुदाई से बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है। ग्रामीण अजय मारू के अनुसार, यह सड़क मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम के अधीन है, लेकिन लापरवाही बरती जा रही है। इस मामले में विभाग के अधिकारी प्रदीप चौहान से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता को पाकिस्तान से धमकी मिली,कॉल पर कहा- खरगोन पहुंचो, मृत्यु हो जाएगी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • खरगोन के विवेकानंद स्कूल में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता और कवयित्री नाजिया इलाही ने पाकिस्तान से 'मौत का कॉल' आने का खुलासा किया। उन्होंने मंच से कहा कि खरगोन में सिमी की कोशिशें नाकाम रहीं और यह स्थान अब राम राज्य में बदल गया है। नाजिया इलाही ने अपने काव्यपाठ के दौरान बताया, 'जब मेरा कारवां खरगोन तक बढ़ा, तब दूर से आवाज आई डरने वाली। नंबर पाकिस्तान का था और कहा जा रहा था कि खरगोन पहुंचो, मृत्यु हो जाएगी।' उन्होंने इस धमकी का जवाब देते हुए कहा कि एक समय था जब सिमी और पाकिस्तान के लोगों ने खरगोन को अपवित्र करने की कोशिश की थी, लेकिन अब जिसने मंच सजाया है और सत्ता बनाई है, उसने इसे राम राज्य में बदल दिया है।

शनिवार रात हुए इस आयोजन में नाजिया इलाही के अलावा कई अन्य कवियों ने भी काव्य पाठ किया। इनमें मुंबई

से बाबा सत्यनारायण मौर्य और डॉ. अनीता आनंद, डॉ. शंभूसिंह मनहर, गीतकार मुकेश शांडिल्य, बालाघाट से अंतू झकास और नागपुर से सरिता सरोज शामिल थीं।

विविधा संस्थापक डॉ. मनहर ने बताया कि कवयित्री नाजिया इलाही को अखिल भारतीय हिंदवी गौरव सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, गीतकार डॉ. विष्णु सक्सेना को विद्यापति सम्मान और नर्मदा परिक्रमा साइकिल से करने वाली कवयित्री शारदा ठाकुर (ओंकारेश्वर) को नर्मदा सम्मान 2026 प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था की सालाना स्मारिका 'निमाड़ स्तवन 2026' का भी विमोचन किया गया, जिसका विषय 'निमाड़ के संत' था।

नेपानगर नपा की नई पीआईसी में सदस्य ने पद ठुकराया, चार पार्षद हटाने पर कांग्रेस का नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • नेपानगर नगर पालिका में नवगठित प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल (पीआईसी) विवादों में घिर गई है। नगर पालिका अध्यक्ष भारती विनोद पाटील द्वारा हाल ही में गठित नई पीआईसी की एक सदस्य ने पद संभालने से इनकार कर दिया है। वहीं, चार पार्षदों को पीआईसी से हटाने के बाद कांग्रेस संगठन ने नपाध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नई पीआईसी में शामिल की गई पार्षद रूपाली जितेंद्र सावकारे ने महिला एवं बाल कल्याण समिति अध्यक्ष का पद संभालने में असमर्थता जताई है। उन्होंने पीआईसी गठन के दिन ही 28 अप्रैल को एक पत्र के माध्यम से नपाध्यक्ष को इसकी सूचना दी थी। यह जानकारी रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आई है। अपने पत्र में रूपाली सावकारे ने लिखा है कि उन्हें महिला एवं बाल विकास समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिसके लिए वह धन्यवाद देती हैं। हालांकि, इस विषय में उनसे पूर्व सहमति नहीं ली गई थी। उन्होंने व्यक्तिगत कारणों और दायित्वों के चलते इस पद की जिम्मेदारी निभाने में असमर्थता व्यक्त करते हुए अपना नाम वापस लेने का अनुरोध किया है। दूसरी ओर, चार पार्षदों को पीआईसी से हटाकर नई पीआईसी का गठन करने के मामले में नेपानगर नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रकाश सिंह बैस ने नपाध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि पार्षद शांताराम ठाकरे, अनीसा राजेश पटेल, सपना कैलाश पटेल और योगिता राजू पाटील ने पार्टी नेतृत्व को पत्र भेजकर बताया है कि उन्हें बिना किसी स्पष्ट कारण के पूर्व में गठित पीआईसी से हटाया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने नपाध्यक्ष से पूछा है कि पूर्व पीआईसी को भंग कर नई पीआईसी गठित करने का कारण और उद्देश्य क्या है, ताकि संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व को अवगत कराया जा सके।

जिला अस्पताल में 5 बेड का नया आईसीयू, 10-12 दिनों में होगा तैयार

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर •जिला अस्पताल में 5 बेड का एक नया आईसीयू तेजी से तैयार किया जा रहा है। इस सुविधा के शुरू होने से अब गंभीर मरीजों को इलाज के लिए बाहर रेफर करने की समस्या खत्म हो जाएगी। अब तक जिला अस्पताल में सर्वसुविधायुक्त आईसीयू न होने के कारण ऐसे मरीजों को अन्य शहरों में भेजना पड़ता था। सिविल सर्जन डॉ. दर्पण टोके और मेडिकल ऑफिसर डॉ. गौरव थवानी के अनुसार, यह नया आईसीयू लगभग 10 से 12 दिनों के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, कुछ आवश्यक मशीनें आ चुकी हैं और शेष संसाधन जुटाए जा रहे हैं। इसके चालू होने के बाद मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकेगा। इस 5 बेड के आईसीयू में गंभीर मरीजों, लकवाग्रस्त रोगियों और हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को सभी आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। पहले इन मरीजों को अक्सर इंदौर या अन्य बड़े शहरों में रेफर कर दिया जाता था, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती थी। गौरतलब है कि लगभग पांच दिन पहले कलेक्टर हर्ष सिंह ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने अस्पताल प्रबंधन के साथ बैठक कर 5 बेड के इस आईसीयू के काम को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए थे।

मार्टा कोस्त्युक मैड्रिड ओपन चैंपियन, मीरा आंद्रीवा को हराया

मैड्रिड (एजेंसी) • यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने मीरा आंद्रीवा को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन और डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर अपना पहला खिताब जीता। दुनिया की 23वें नंबर की खिलाड़ी ने अपनी रूसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 6-3, 7-5 से जीत हासिल की, और स्पेन की राजधानी में जीतने वाली शीर्ष 20 से बाहर की केवल दूसरी खिलाड़ी बन गई। फाइनल में जीतने के बाद कोस्त्युक ने कहा, अभी यहां खड़े होकर अविश्वसनीय महसूस हो रहा है। इस मुकाम तक पहुंचने में मुझे कई साल लगे। इस समय मेरे मन में जो एक शब्द आ रहा है, वह है 'लगातार बने रहना'- हर दिन मौजूद रहना, चाहे काम कितना भी मुश्किल क्यों न हो, और चाहे आप अपने काम को कितना भी पसंद या नापसंद क्यों न करते हों। मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में मैंने यह काम बहुत अच्छे से किया है, इसलिए मुझे खुद पर और अपनी टीम पर बहुत गर्व है।

आईपीएल में आज होगा मुंबई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई (एजेंसी) • आईपीएल तालिका में सबसे निचले स्थान पर चल रही मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स आखिरी स्थान पर आने से बचने की उम्मीद के साथ वानखेड़े स्टेडियम में सोमवार को भिड़ेंगे। दोनों टीमों के चार-चार अंक हैं। मुंबई नौंवे और लखनऊ दसवें स्थान पर हैं। सात दिन के ब्रेक के बाद वापसी कर रही लखनऊ सुपर जायंट्स को उम्मीद होगी कि इस आराम से उन्हें कोलकाता के खिलाफ मिली दिल तोड़ने वाली हार से उबरने में मदद मिली होगी। वह मैच सुपर ओवर में जाकर उनके हाथ से फिसल गया था। ऋषभ पंत की टीम आठ मैचों में चार अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में सबसे नीचे है, फिर भी टीम के खेमे में माहौल काफी आशावादी बना हुआ है। टीम मैनेजमेंट का मानना है कि अभी भी छह मैच बाकी हैं, जो टीम की किस्मत बदलने के लिए काफी हैं। वहीं, दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस को एक कहीं ज्यादा मुश्किल हकीकत का सामना करना पड़ रहा है। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए मुंबई को लगभग हर मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। मुंबई के लिए, यह नॉकआउट दौर से पहले ही एक तरह का नॉकआउट मुकाबला है। एलएसजी के लिए, यह शायद इस बात को साबित करने का आखिरी मौका है कि उनके इस सीजन में अभी भी जान बाकी है।

एल्बम यादों और अनुभवों का अनूठा कलेक्शन: श्रेया घोषाल

मुंबई (एजेंसी) • गायिका श्रेया घोषाल ने अपने बेहद खास ऑल हार्ट्स टूर को एक लाइव एल्बम के रूप में अपने प्रशंसकों के लिए पेश किया है, जो उनके वैश्विक संगीत सफर की एक यादगार कड़ी है। यह एल्बम उन यादों, भावनाओं और अनुभवों का एक अनूठा कलेक्शन है, जिन्हें उन्होंने अपने वर्ल्ड टूर के दौरान विभिन्न शहरों और मंचों पर महसूस किया। यह लाइव एल्बम अब सोनी म्यूजिक इंडिया के तहत जारी किया गया है। श्रेया घोषाल ने बताया कि यह सफर उनके जीवन के सबसे खास और यादगार अनुभवों में से एक रहा है। श्रेया घोषाल ने इस एल्बम के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, यह सफर एक साल से भी ज्यादा समय तक चला और इस दौरान मैंने दुनिया के कई बड़े शहरों में परफॉर्म किया। हर शहर, हर मंच और हर दर्शक मेरे दिल के करीब बनता चला गया। कहीं कार्यक्रम का माहौल इतना ऊर्जावान था कि वह यादगार बन गया, कहीं दर्शकों का अपार प्यार दिल छू लेने वाला था, और कहीं गानों की लिस्ट इतनी खास थी कि वह पल हमेशा के लिए स्मृति में बस गया। यही वजह थी कि मैं और मेरी टीम ने सोचा कि इन सभी खास पलों को सिर्फ यादों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इन्हें एक एल्बम के रूप में हमेशा के लिए सुरक्षित कर लेना चाहिए ताकि मेरे प्रशंसक भी इसका हिस्सा बन सकें।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी

नई दिल्ली (एजेंसी) • खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी। डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी

की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि ऐसे माहौल में वह अपना सौ फीसदी प्रदर्शन कर पाएंगी।

मेरे लिए भावनात्मक सफर रहा है इंस्पेक्टर अविनाश: उर्वशी

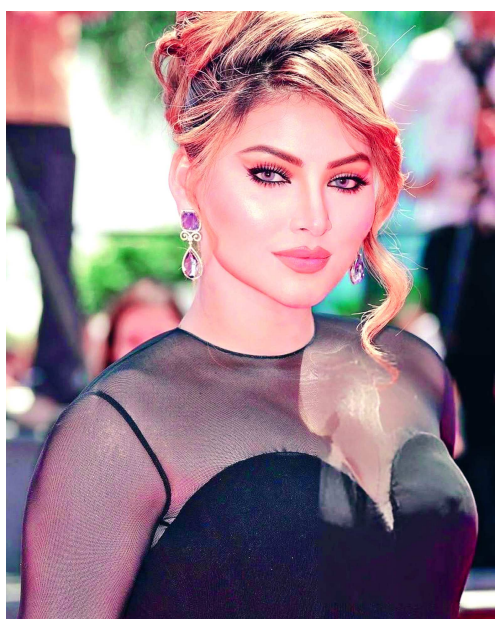

मुंबई (एजेंसी) • वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन के साथ पुन: दर्शकों के बीच लौटने की तैयारी कर रहे हैं। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला एक अहम और दमदार किरदार निभाती नजर आएंगी, जिसे वह अपने करियर के सबसे खास और परिवर्तनकारी किरदारों में से एक मानती हैं। इस बार कहानी पहले से कहीं ज्यादा रोमांच और गहराई से भरी होगी। अपने किरदार और सीरीज के बारे में बात करते हुए उर्वशी रौतेला ने कहा, मेरे लिए इंस्पेक्टर अविनाश सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा, सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी।

उज्जैन संभाग

जिला शिक्षा केंद्र में खुलेआम उगाही का खेल चल रहा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •जिला शिक्षा केंद्र में इंजीनियरों से खुलेआम उगाही का खेल चल रहा है। इसका कोड वर्ड है लड्डू और मिठाई। इंजीनियरों से कभी डीपीसी के नाम पर दीपावली पर मिठाई बांटने के नाम पर, तो कभी भोपाल मिठाई भेजने के नाम पर खुलेआम रुपए देने के लिए कहा जाता है। जिला शिक्षा केंद्र के अंतर्गत सभी इंजीनियरों के वाट्सएप ग्रुप जेडएसके इंजीनियर सूचना ग्रुप की ऐसी कई चैटिंग सामने आई है, जिसमें खुलेआम रुपयों की बातचीत हो रही है। इसके अलावा जानबूझकर मान्यता की फाइलें अटकाने, मिठाई के रुपए भेजने के लिए यूपीआई स्कैनर की फोटो भेजने सहित कई ऐसे मैसेज और पोस्ट भी सामने आई है, जो यह साबित करती है कि रुपयों का खेल खुलेआम चल रहा है। जिला शिक्षा केंद्र के अंतर्गत पूरे जिले में कुल 13 इंजीनियर हैं। इधर, डीपीसी ने इंजीनियरों के इस मैसेज पर हैरानी जताते हुए कार्रवाई की बात कही है। इस संबंध में जब इंजीनियर संदीप जैन से चर्चा की तो उन्होंने कहा कि लड्डू के लिए रुपए लेने जैसी कोई बात ही नहीं है। वहीं इंजीनियर वल्लभसिंह राठौर भी मुकर गए। बोले- मैंने मिठाई या लड्डू के डिब्बे का कोई मैसेज पोस्ट नहीं किया है। इंजीनियर संदीप जैन ने इंजीनियर मनीष शर्मा के मैसेज को टैग करते हुए पोस्ट किया। जैन साहब भोपाल की मिठाई का बोल रहे हैं। क्या करना है सभी बताओ। राशि 214.67 लाख रुपए है। इस लिस्ट के नीचे लिखा है- इसके अनुसार करना है। इंजीनियर संदीप जैन ने ग्रुप पर यूपीआई स्कैनर की फोटो भेजकर मैसेज पोस्ट किया। उसके नीचे लिखा कि मिठाई के 800 रुपए इस पर भेज दो सभी। इंजीनियर वल्लभ राठौर ने ग्रुप पर एक मैसेज फॉरवर्ड किया है। लिखा- डीपीसी सर द्वारा भोपाल से प्राप्त निर्देश अनुसार 20 डिब्बे 500-500 ग्राम इच महाकाल प्रसाद के भेजना है। उसकी जवाबदारी निर्माण शाखा को दी है। आज ही खरीदकर कल सुबह की ट्रेन से भेजना है।

रतलाम से किडनैपिंग, उज्जैन में मर्डर, शराब पीकर गला घोंटा

दैनिक इंदौर संकेत

रतलाम • रतलाम जिले में मनीष माली (22) को घर से किडनैप कर उज्जैन में गला घोंटकर मार डाला। आरोपियों ने मर्डर से पहले जमकर शराब पी थी। घर से करीब 90 किलोमीटर दूर ले जाकर मारा, फिर घर में ताला लॉककर भाग गए थे। वहीं मर्डर के तीसरे दिन आलोट के विक्रमगढ़ में तनाव की स्थिति बन गई। रविवार को परिजन ने शव विक्रमगढ़ फाटक मार्ग पर रखकर चक्काजाम कर दिया। आरोपी घर में तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी। रविवार को प्रशासन और पुलिस की समझाइश के बाद करीब 4 से 5 घंटे तक चक्काजाम खत्म हुआ। प्रशासन ने दो आरोपियों के घरों पर जेसीबी चलाकर अवैध हिस्सों को तोड़ने की कार्रवाई की। हालांकि, इस कार्रवाई के बाद भीड़ और ज्यादा आक्रोशित हो गई। प्रशासन की कार्रवाई के बाद गुस्साई भीड़ एक आरोपी के घर में घुस गई। जमकर तोड़फोड़ की। घर का सारा सामान बाहर फेंक दिया गया। पत्थरबाजी की गई। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि घर में आग भी लगा दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस हत्या के पीछे करीब डेढ़ साल पुरानी रंजिश बताई जा रही है।

आरोपी पक्ष के एक युवक का मृतक की बुआ के लड़के से किसी लड़की को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर शादी समारोह में दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था। करीब तीन महीने पहले भी दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, इसी पुरानी रंजिश के चलते हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। परिजन के मुताबिक, आरोपियों ने मनीष को शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे घर से किडनैप किया था। तीन लोग उसे जबरन कार में बैठाकर ले गए थे। शनिवार दोपहर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पिता के बयान पर अपहरण का मामला दर्ज किया गया।

मृतक के पिता दिनेश माली ने मयंक उर्फ महेंद्र माली, रितेश माली और निलेश माली पर शक जताया। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें सामने आया कि मयंक ने अपने साथियों रितेश, निलेश, यश और मुजफ्फर के साथ पहले शराब पी। इसके बाद मयंक, रितेश और निलेश मनीष को उसके घर से जबरन ले गए और उज्जैन पहुंचे। उज्जैन में सभी आरोपी मयंक के मकान पर पहुंचे, जहां उन्होंने फिर शराब पी। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हुआ। गुस्से में आकर मनीष का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी मकान पर ताला लगाकर फरार हो गए। हत्या की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। बड़ी संख्या में लोगों ने रात में आलोट थाने का घेराव कर दिया। यहां तक कि जिन आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लिया था, उन्हें बाहर निकालने के लिए थाने का चैनल गेट तोड़ने की भी कोशिश की गई। आलोट थाना प्रभारी मुनिंद्र गौतम के अनुसार, पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य आरोपी यश, मयंक और मुजफ्फर हैं, जबकि रितेश और निलेश माली भी शामिल हैं। आरोपियों के मकानों के अवैध हिस्सों को राजस्व टीम ने तोड़ा। आगे जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सतलोक आश्रमों में 80 दहेज-मुक्त विवाह, 425 यूनिट रक्तदान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • देश-विदेश के 14 सतलोक आश्रमों में 1 से 3 मई तक तीन दिवसीय विश्व शांति महा अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस दौरान मध्यप्रदेश के दो आश्रमों में 80 दहेज-मुक्त विवाह कराए गए, 425 यूनिट रक्तदान हुआ और 3774 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया। यह आयोजन संत रामपाल जी महाराज के सानिध्य में हुआ। यह महा अनुष्ठान विश्व शांति और मानव कल्याण के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इसमें आध्यात्मिकता के साथ-साथ सामाजिक सुधारों पर भी जोर दिया गया, जिसमें दहेज प्रथा उन्मूलन, जातिगत भेदभाव समाप्त करना और मानव सेवा जैसे विषय शामिल थे। सभी सतलोक आश्रमों में दहेज-मुक्त अंतरजातीय विवाह, विशाल रक्तदान शिविर और देहदान संकल्प अभियान एक साथ चलाए गए। इन आयोजनों में सभी धर्मों के अनुयायियों ने भाग लिया और मानवता का संदेश दिया। सतलोक आश्रम किठोदा (इंदौर) और उड़दन (बैतूल) में इस आयोजन के विशेष परिणाम सामने आए। यहां कुल 80 जोड़ों का दहेज-मुक्त विवाह मात्र 17 मिनट में सादगीपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया। उड़दन आश्रम में 51 और किठोदा आश्रम में 29 जोड़े विवाह बंधन में बंधे।

यूडीए की सातवीं कार्रवाई, 5 निर्माण ढहाए बेगमबाग में अब भी 32 अवैध निर्माण बाकी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • हरिफाटक ब्रिज के समानांतर नए पुल का निर्माण शुरू हो चुका है और इसी कड़ी में शनिवार को यूडीए ने बेगम बाग क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। पहले से नोटिस देने के कारण अधिकांश मकान खाली मिले, जिससे कार्रवाई बिना बड़े विरोध के पूरी हो सकी। (उज्जैन विकास प्राधिकरण) यूडीए द्वारा हटाई गई जमीन को एमपीआरडीसी को सौंप दिया है, जहां हरिफाटक ब्रिज के समानांतर नया पुल तैयार किया जा रहा है। एमपीआरडीसी संभागीय प्रबंधक विजय सिंह ने बताया कि ब्रिज निर्माण का फाउंडेशन कार्य शुरू हो चुका है और इसे अगले वर्ष जून तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। पुल के आसपास आने वाले अधिकांश अतिक्रमण पहले ही हटाए जा चुके हैं। यूडीए सीईओ संदीप सोनी ने बताया कोर्ट के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है और रहवासियों ने भी इसमें सहयोग किया है।

करीब 63 निर्माण हटाए जा चुके: बेगमबाग क्षेत्र में ऐसे करीब 95 अवैध निर्माण है। यूडीए अब तक सात चरणों में कार्रवाई कर चुका है, जिसमें करीब 63 निर्माण हटाए जा चुके हैं। अभी भी करीब 30-32 निर्माण शेष हैं, जिनका मामला न्यायालय में है। यूडीए के अनुसार पुल निर्माण के दायरे में आने वाले 25 से 30 मकान पहले ही हटाए जा चुके हैं, जिससे प्रोजेक्ट का मुख्य हिस्सा अब पूरी तरह साफ हो चुका है। दरअसल यह पूरी जमीन विकास प्राधिकरण की है, जिसे वर्ष 1985 में आवासीय उपयोग के लिए लीज पर दिया था। अधिकांश लीज वर्ष 2015 में समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद लोगों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए जमीन का व्यावसायिक उपयोग शुरू कर दिया। कई प्लॉट पर मकान बनाकर उन्हें होटल में तब्दील कर दिया। कई प्लॉट को बांटकर एक ही प्लॉट पर दो से तीन निर्माण कर लिए गए, जिससे कुल निर्माणों की संख्या करीब 95 तक पहुंच गई।

पहली बार नगर निगम में नियुक्त होंगे आठ एल्डरमैन, नाम लगभग तय, घोषणा बाकी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • यूडीए (उज्जैन विकास प्राधिकरण) संचालक मंडल की नियुक्ति के बाद अब नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्तियों के लिए चर्चाएं तेज हो गई है। नगर निगम में पहली बार 8 एल्डरमैन की नियुक्ति होगी। दोनों विधानसभा से चार-चार को शामिल किया जाएगा। इनके नाम लगभग तय हो चुके हैं, सिर्फ घोषणा का इंतजार है। एल्डरमैन की नियुक्ति विधायक, सांसद और जिलाध्यक्ष की पसंद से होगी। सूत्रों के मुताबिक उज्जैन नगर पालिका में उत्तर विधानसभा से मुकेश मालवीय, मनीष खंडेलवाल, अशोक देवड़ा और अरविंद उपाध्याय और दक्षिण से मुकेश चौधरी, मधुकर राव, धर्मेंद्र बरुआ और शैलेंद्र यादव के नाम हैं। वहीं एल्डरमैन के लिए महिला नेत्रियों के नाम भी भोपाल भेजे हैं, जिन पर चर्चा होना बाकी है। शीर्ष नेतृत्व से सहमति के बाद जल्द ही एल्डरमैन के नाम की घोषणा की जाएगी।

नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति का प्रावधान है। ऐसे लोगों को एल्डरमैन बनाया जाता है, जिन्हें प्रशासनिक और नगर पालिका अधिनियम की जानकारी होती है। वह राजनीतिक दल के सदस्य भी होते हैं। सत्ता दल के सक्रिय कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन नियुक्त के लिए संगठन की ओर से नाम प्रस्तावित किए जाते हैं। परिषद के कार्यकाल तक इनका भी कार्यकाल रहता है।

न्यूज ब्रीफ

जैन मंदिर से चांदी की मूर्तियां चोरी, चौकीदार बोला- नींद नहीं खुली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में एक बार फिर धार्मिक स्थल को निशाना बनाते हुए बदमाशों ने जैन मंदिर से चांदी की मूर्तियां चोरी कर लीं। घटना सुपर कॉरिडोर क्षेत्र की है, जहां सुबह मंदिर खुलते ही चोरी का खुलासा हुआ। इंदौर के सुपर कॉरिडोर स्थित ग्रेटर बाबा जैन मंदिर में सोमवार तड़के चोरी की वारदात सामने आई। अज्ञात बदमाश मंदिर में घुसकर भगवान की चांदी की मूर्तियां और अन्य सामान चुरा ले गए। चोरों ने 5 चांदी की मूर्तियां, एक मिक्स धातुओं की मूर्ति, एक शिला, 2 शांति धारा और 28 कलश चोरी कर लिए। पुलिस के मुताबिक चोर रात 2.18 बजे मंदिर में घुसे और 42 मिनट तक मंदिर में रहने के बाद 3 बजे वहां से भाग गए। बताया जा रहा है कि चोरों ने इसके पहले मंदिर की रेकी भी की थी।

समाधान योजना में 9.16 लाख उपभोक्ताओं को लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तीन माह से अधिक के बकाया बिलों के लिए 15 मई तक लागू समाधान योजना का लाभ लेकर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ कराने की अपील की है। इसके अंतर्गत पुराने बकाया बिलों के एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज राशि पर 70 से 90 प्रतिशत तक एवं किश्तों में बिल भुगतान का विकल्प चुनकर पहली किश्त तुरंत जमा कराने पर 50 से 60 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। कंपनी क्षेत्र के सभी जिलों में अब तक 9.16 लाख उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेकर छूट प्राप्त की है। इन उपभोक्ताओं को लगभग 40 करोड़ रूपए से अधिक की छूट मिली है। वहीं बिजली कंपनी को 299 करोड़ रूपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। समाधान योजना में सबसे ज्यादा इंदौर जिले के करीब एक लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए।

स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू, जल्द पहुंचेगी टीम, कड़े मापदंडों पर होगी परीक्षा

फीडबैक में पीछे चल रहा इंदौर, विशाखापट्टनम टॉप पर पहुंचा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर शहर में जल्द ही सर्वे टीम दस्तक देने वाली है। इस बार इंदौर को न केवल अपने पुराने सफाई मानकों पर खरा उतरना होगा, बल्कि 'स्वच्छ जोड़ी शहर' और 'वॉटर प्लस' जैसे नए मापदंडों पर भी एक साथ परखा जाएगा। वहीं स्वच्छता सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले शहरों के लिए फीडबैक लिंक खुल चुकी है। इंदौर 11 और उज्जैन 9वें स्थान पर है। प्रथम स्थान पर विशाखापट्टनम है। सुपर लीग के बाद नई चुनौती-पिछले सर्वेक्षण में इंदौर सुपर स्वच्छता लीग में शामिल होकर अपनी पहचान बना चुका है। इसी क्रम में शहर को 'स्वच्छ जोड़ी शहर' प्रतियोगिता के तहत देपालपुर जैसे निकाय को स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी दी गई थी। अब केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय द्वारा इन कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा। जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं में अभी भी कई कमियां नजर आ रही हैं। अनुभवी टीम और फील्ड अधिकारियों की कमी चुनौती बनी हुई है।

तैयारियों में सतर्कता, पर कमी बरकरार-सर्वे टीम के आने के संकेत मिलते ही नगर निगम ने सतर्कता बढ़ा दी है। आयुक्त स्तर पर निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन

एसबीएम टीम पर सवाल-स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के तहत काम कर रही टीम पर इवेंट आधारित गतिविधियों पर ज्यादा ध्यान देने के आरोप लग रहे हैं, जबकि वास्तविक सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग कमजोर बताई जा रही है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और सेग्रीगेशन की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। मैदान में लापरवाही-कर्मचारियों की कार्यशैली भी चिंता का विषय बनी हुई है। तय समय सुबह 6 बजे के बजाय कई स्थानों पर सफाई कार्य देर से शुरू हो रहा है। कई कॉलोनियों में 4-5 दिन तक झाड़ू नहीं लगने की शिकायतें हैं, जबकि ग्रीन वेस्ट कलेक्शन मुख्य मार्गों तक सीमित बताया जा रहा है। चयनित क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान-यह भी सामने आया है कि कुछ स्थानों पर केवल जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के निवास क्षेत्रों के आसपास नियमित सफाई हो रही है, जबकि अन्य क्षेत्रों की अनदेखी की जा रही है। उपस्थिति दर्ज कर कर्मचारियों के फील्ड से गायब रहने की शिकायतें भी मिल रही हैं।

30-40 दिन अहम

महापौर और नगर निगम आयुक्त व्यवस्था सुधारने के प्रयास कर रहे हैं, लेकिन फील्ड अमले की उदासीनता चिंता का विषय है। जानकारों का मानना है कि यदि अगले 30-40 दिनों में सख्त मॉनिटरिंग और प्रभावी समन्वय नहीं किया गया, तो इंदौर की स्वच्छता रैंकिंग पर असर पड़ सकता है।

इंदौर पुलिस कमिश्नरी के सभी डीसीपी-ग्रामीण एसपी बदले, ट्रैफिक डीसीपी का पद खाली

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश गृह विभाग ने शनिवार देर रात 62 आईपीएस के तबादले कर दिए। इसमें इंदौर पुलिस कमिश्नरी का पूरा चेहरा बदल गया। चारों जोन के डीसीपी, मुख्यालय डीसीपी, ग्रामीण एसपी सभी बदल दिए गए हैं। हालांकि ट्रैफिक डीसीपी पद अभी भी खाली है। इंदौर पुलिस कमिश्नरी में इन ट्रांसफर से 11 आईपीएस प्रभावित हुए हैं। इसमें छह आईपीएस बाहरी जिलों से इंदौर पदस्थ हुए वहीं पांच जिलों से बाहर ट्रांसफर (एमपी

आईपीएस ट्रांसफर) किए गए हैं। तीन अधिकारियों को इंदौर में ही अन्य पोस्टिंग दी गई है।

मध्य सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की है। इसके तहत 62 आईपीएस के ट्रांसफर कर दिए गए हैं। इसमें 19 जिलों के एसपी को भी इधर से उधर किया गया है। इसके अलावा एडीजी, डीआईजी और डीसीपी स्तर के अधिकारियों को भी इधर से उधर किया गया है। बैंक डकैती केस के बाद सिंगरौली एसपी मनीष खत्री को हटा दिया गया है, उनको एआईजी पीएचक्यू बनाया गया है। इसी तरह मुरैना और भिंड में रेत खनन से जुड़े विवाद सामने आए थे, जिसके कारण वहां के अधिकारियों में बदलाव किया गया।

- *डीसीपी जोन वन- बैच 2021 आईपीएस नरेंद्र रावत (यह अभी राज्यपाल परिसहाय थे)*
- *डीसीपी जोन टू- बैच 2014 आईपीएस अमन सिंह राठौड़ (एसपी शिवपुरी थे)*
- *डीसीपी जोन थ्री- बैच 2021 आईपीएस अभिषेक रंजन (अभी एएसपी उज्जैन थे)*
- *डीसीपी जोन फोर- बैच 2016 आईपीएस सुनील मेहता (अभी एसपी सिवनी थे)*
- *इंदौर में यह भी बदले*
- *बैच 2012 आईपीएस डीआईजी धार मयंक अवस्थी को इंदौर में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त बनाया गया है।*
- *वहीं बैच 2016 आईपीएस एसपी (पीटीसी) इंदौर राजेंद्र कुमार वर्मा अब नए इंदौर एसपी ग्रामीण होंगे।*
- *साल 2009 बैच के अमित सिंह को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त इंदौर पद से डीआईजी विसबल इंदौर किया गया है।*
- *बैच 2012 आईपीएस कुमार प्रतीक को इंदौर डीसीपी जोन टू से अब डीआईजी नार्कोटिक्स इंदौर किया गया है।*
- *इंदौर से यह अधिकारी अन्य जिले में पदस्थ*
- *डीसीपी जोन 4 में पदस्थ 2020 बैच आईपीएस आनंद कलादगी को एसपी दमोह की जिममेदारी दी गई।*
- *बैच 2020 आईपीएस डीसीपी जोन 1 कृष्ण लालचंदानी को एसपी सिवनी बनाया गया है।*
- *बैच 2016 आईपीएस डीसीपी इंदौर मुख्यालय प्रकाश परिहार को एसपी पांढुर्ना बनाया गया।*
- *डीसीपी आसूचना सुरक्षा बैच 2016 आईपीएस इंदौर राजेश व्यास को एसपी नीमच की जिम्मेदारी दी गई।*
- *बैच 2013 आईपीएस एसपी ग्रामीण इंदौर यांगचेन डोलकर भूटिया को एसपी शिवपुरी बनाया गया है।*

हाईकोर्ट में नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से ठगी, इंदौर में 25 हजार लेकर नौकरी दे रहा आरोपी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आजकल नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी बहुत बढ़ गई है। हाल ही में हाईकोर्ट में क्लर्क की नौकरी के नाम पर एक फर्जी ज्वाइनिंग लैटर देकर 25 हजार रुपए ठग लिए गए। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। आरोपी खुद को हाईकोर्ट का बड़ा कर्मचारी बताता था। इंदौर में फर्जी नौकरी के नाम पर एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। हाईकोर्ट में क्लर्क की नौकरी देने के नाम पर एक महिला से 25 हजार की ठगी हुई है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी को 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया गया है।

तलावली चंदा निवासी स्वाति बाथम ने पिछले दिनों तक अपने पति के साथ तुकोगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि लक्ष्मण मेहरा ने खुद को हाईकोर्ट का कर्मचारी बताकर सहायक क्लर्क की नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। शिकायत में ये भी बताया गया कि आरोपी ने 25 हजार रुपए नकद लिए थे। साथ ही उच्च न्यायालय जबलपुर की फर्जी सील लगाकर ज्वाइनिंग लेटर दे दिया था। कुछ दिनों बाद संदेह होने पर महिला ने हाईकोर्ट में पत्र

की जांच करवाई तो वह पूरी तरह फर्जी निकला। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने आरोपी लक्ष्मण मेहरा (निवासी ग्राम खुरपा जिला नरसिंहपुर) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मेघदूत चौपाटी इंदौर पर मुलाकात कर खुद को रसूखदार कर्मचारी बताता था। भरोसा जीतने के लिए फर्जी आवेदन पत्र देता था। बाद में गीता भवन चौराहे पर बुलाकर फर्जी जॉइनिंग लेटर सौंपता था। फिलहाल पुलिस अब यह पता लगा रही है कि आरोपी ने और कितने लोगों से सरकारी नौकरी के नाम पर ठगी की है। उसके साथ कौन कौन शामिल है। मामले में तुकोगंज थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि, आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। साथ ही उससे पूछताछ जारी है और अन्य संभावित पीड़ितों की जानकारी जुटाई जा रही है।

जनगणना ड्यूटी से गायब अफसर-कर्मचारी रडार पर

एफआईआर, विभागीय जांच, सस्पेंशन की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के काम में लापरवाही बरतना 289 अधिकारियों और कर्मचारियों को भारी पड़ सकता है। ड्यूटी से नदारद रहने वाले कर्मचारियों पर प्रशासन ने बड़ा शिकंजा कसते हुए कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं। साफ संकेत हैं कि जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो विभागीय जांच, सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई और एफआईआर तक दर्ज हो सकती है।

नगर निगम आयुक्त एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी क्षितिज सिंघल ने अनुपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों के रवैये को गंभीर अनुशासनहीनता माना है। प्रशासन के मुताबिक 1 मई से लगातार सूचना और निर्देश दिए जाने के बावजूद कई कर्मचारी जनगणना कार्य में उपस्थित नहीं हुए। इसे न केवल सरकारी आदेश की अवहेलना बल्कि राष्ट्रीय कार्य के प्रति उदासीनता माना गया है।

आज अंतिम मौका, नहीं तो होगी एकपक्षीय कार्रवाई: प्रशासन ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 और वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत कठोर कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही जनगणना अधिनियम 1948 की धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई और प्राथमिकी दर्ज कराने का भी निर्णय लिया गया है। सूत्रों के अनुसार कई कर्मचारियों ने बिना अनुमति ड्यूटी से दूरी बनाई, जबकि लगातार संपर्क और सूचना के बावजूद वे कार्यस्थल पर नहीं पहुंचे। अब प्रशासन इसे उदाहरणात्मक कार्रवाई के रूप में देख रहा है ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोहराई न जाए। 289 अधिकारियों-कर्मचारियों को 4 मई शाम 5:30 बजे तक दस्तावेजों सहित जवाब देने और तत्काल ड्यूटी जॉइन करने के निर्देश दिए हैं। चेतावनी दी गई है कि जवाब नहीं मिलने पर एकपक्षीय कार्रवाई तय मानी जाएगी।

लवकुश डबल डेकर फ्लाई ओवर पर दूसरी बो स्टिंग लगाना प्रारंभ

400 टन वजन की गर्डर एक महीने में होगी तैयार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लवकुश चौराहा पर बन रहे प्रदेश के पहले डबल डेकर फ्लाईओवर की दूसरी भुजा पर 400 टन वजनी गर्डर रखने का काम प्रारंभ हो चुका है। एक माह में यह गार्डर तैयार होगी और इसके बाद इसे मुख्य चौराहे पर रखा जाएगा। पहली गर्डर को गत माह जेक पुश से इसे दूसरी तरफ स्थानांतरित किया जा रहा है। डबल डेकर फ्लाईओवर के मुख्य चौराहे पर 65 मीटर लंबी दो गर्डर रखी जाना है। पहली गर्डर की लांचिंग डेढ़ माह पूर्व पूर्ण हो चुकी है और अब दूसरी गर्डर का निर्माण कार्य ऊपर ही शुरू किया गया है। यह गर्डर मुख्य चौराहा पर 23 मीटर ऊंचाई पर रखी जाएगी। तीन विंच मशीन की सहायता से पहली गर्डर को खींचकर मुख्य चौराहा पर लाया गया था। करीब 12 घंटे चली लंबी प्रक्रिया के बाद यह कार्य संपन्न हो सका। ब्रिज पर दूसरी

गर्डर का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इस स्टील गर्डर को ऊपर असेंबल करने के लिए 900 टन क्षमता की दो क्रेन का उपयोग किया जा रहा है, इसमें एक 600 टन और दूसरी 300 टन क्षमता की है। इन क्रेन से गर्डर के एंगल और अन्य सामग्री ऊपर पहुंचाई जा रही है।

गौरतलब है कि इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) द्वारा लवकुश चौराहा पर 1452 मीटर लंबा डबल डेकर फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। इसमें 19 सेगमेंटल स्पान, चार कंपोजिट गर्डर स्पान एवं एक बो स्ट्रिंग्स स्पान है। बो स्ट्रिंग्स स्पान की लंबाई 65 मीटर है और यहां पर दो स्टील गर्डर रखी जानी हैं। पहली गर्डर को बो स्ट्रिंग्स स्पान पर रख दिया गया है, जबकि दूसरी का कार्य भी शुरू हो चुका है। फ्लाईओवर के पियर तैयार होने के बाद स्पान पर सेगमेंट रखे गए। एक स्पान पर 13 सेगमेंट रखे गए हैं। एक सेगमेंट की चौड़ाई 25 मीटर और वजन 120 टन है।

आइएसबीटी का जल्द कट सकता है फीता

आइडीए को एक कंपनी पसंद आई, बोर्ड बैठक में होगा फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमआर-10 ओवरब्रिज के पास एक सौ एक करोड़ रुपए में बना इंटर स्टेट बस टर्मिनल कई महीनों से शुरू होने का इंतजार कर रहा है। उम्मीद है जल्दी ही फीता कट सकता है।

हवाईअड्डे की तरह खूबसूरत और सुविधाजनक बस अड्डा बनाने के लिए आईडीए ने जहां पानी की तरह पैसा बहाया, वहीं अधिकारियों ने जल्द तैयार करने के लिए पसीना बहाने में भी कसर नहीं छोड़ी। सीईओ रहे रामप्रकाश अहिरवार ने प्रोजेक्ट पर लगातार नजर रखी और कोशिश में जुटे रहे कि जल्द काम खत्म हो जाए। बनाने में तो कामयाबी मिल गई, लेकिन इसे संभालने के लिए कंपनी नहीं मिली। शर्तों में लचीलापन लाने के साथ ही एक बार तो यह भी कहा गया कि आईडीए ही इसे संभालेगा, लेकिन ये आसान नहीं था। आखिर टेंडर पर टेंडर का दौर चलता रहा।

आइडीए सूत्रों का कहना है कि बात अब किनारे पर है। अगली बोर्ड बैठक में तय हो सकता है कि आइएसबीटी कौन संभालेगा। पांचवें टेंडर में एक कंपनी को पसंद किया गया है। यदि सब ठीक रहा तो बीस साल के लिए बस अड्डा उसके हवाले कर दिया जाएगा। बसों के साथ ही पार्किंग, दुकान आदि जिम्मा भी उसके पास ही रहेगा। सिंहस्थ के लिए बस अड्डा खास ह। हजार बस और लाखों यात्रियों के लिए हर तरह की सुविधा यहां रहेगी। मेट्रो का स्टेशन भी इससे लगा है, जहां तक पहुंचने के लिए पुल भी तैयार है।

इंदौर बनेगा वैश्विक कृषि कूटनीति का केंद्र, BRICS कृषि मंत्रियों की बैठक जून में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर/भोपाल ● केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज इंदौर में मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बैठक कर BRICS कृषि मंत्रियों के इंदौर सम्मेलन को लेकर तैयारियों की समीक्षा की। इसके बाद, उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि इंदौर का यह सम्मेलन मप्र सहित भारत और पूरी दुनिया के कृषि क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक अवसर साबित होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह सम्मेलन न केवल वैश्विक खाद्य सुरक्षा, कृषि व्यापार, जलवायु परिवर्तन और

किसान कल्याण जैसे मुद्दों पर नई दिशा देगा, बल्कि इंदौर को अंतरराष्ट्रीय कृषि संवाद के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकार वार्ता में कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव का विषय है कि इस बार BRICS सम्मेलन 2026 भारत में हो रहा है और कृषि मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक के लिए मध्यप्रदेश के इंदौर का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि 9 से 11 जून 2026 तक इंदौर में BRICS कृषि कार्य समूह की बैठक होगी, जबकि 12 और 13 जून 2026 को सदस्य देशों के कृषि मंत्री यहां एकत्रित होकर कृषि और खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री यादव की उपस्थिति में अधिकारियों के साथ तैयारियों की व्यापक समीक्षा की गई और सभी व्यवस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप, समयबद्ध, व्यवस्थित तथा उत्कृष्ट बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल एक औपचारिक बैठक आयोजित करना नहीं, बल्कि ऐसा प्रभावी आयोजन करना है जो भारत की कृषि क्षमता, नवाचार, परंपरा और वैश्विक नेतृत्व का सशक्त प्रदर्शन करे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि BRICS देश कृषि के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि दुनिया की लगभग 42 प्रतिशत कृषि भूमि, 68 प्रतिशत छोटे किसान और करीब 45 प्रतिशत अनाज उत्पादन इन देशों से जुड़ा है। ऐसे में इंदौर में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि वैश्विक कृषि और खाद्य व्यवस्था को प्रभावित करने वाला गंभीर विमर्श मंच होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में BRICS के 11 सदस्य देश हैं- भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब। इसके साथ कई साझेदार देश भी जुड़े हुए हैं, इसलिए इंदौर में होने वाली यह बैठक व्यापक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी और बहुपक्षीय कृषि सहयोग का महत्वपूर्ण अवसर बनेगी।

- इंदौर में 9 से 11 जून तक BRICS कृषि कार्य समूह और 12 व 13 जून को होगी कृषि मंत्रियों की बैठक
- केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ बैठक लेकर की तैयारियों की समीक्षा
- शिवराज सिंह चौहान बोले- भारत की कृषि शक्ति, नवाचार और नेतृत्व दुनिया देखेगी
- BRICS मंच पर खाद्य सुरक्षा, जलवायु स्मार्ट खेती, कृषि व्यापार और किसान कल्याण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर होगा मंथन- शिवराज सिंह
- BRICS देश कृषि के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण, दुनिया की 42 प्रतिशत कृषि भूमि, 68 प्रतिशत छोटे किसान और 45 प्रतिशत अनाज उत्पादन इन देशों से जुड़ा है- शिवराज सिंह
- मालवा के आतिथ्य और मध्यप्रदेश की कृषि क्षमता का वैश्विक प्रदर्शन करेगा BRICS सम्मेलन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।